www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक
शब्दवाणी समाचार
नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत
वर्षः 24 अंकः 275 नई दिल्ली, गुरुवार , 30 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रूपये

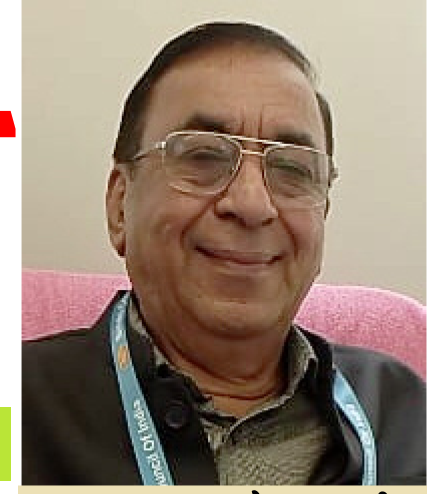

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण पर दो बार हंगामा, अमित शाह पर आरोप से सत्ता पक्ष भड़का

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण पर दो बार हंगामा हुआ। पहली बार तब जब उन्होंने इडियट और अंधभक्त शब्द का इस्तेमाल किया और दूसरी बार तब जब उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों पर पैलेट गन इस्तेमाल करने की अनुमति देने का आरोप लगाया। दोनों ही मौकों पर सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध जताया और सदन में शोर-शराबा हुआ।

राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरूआत कुछ छात्राओं के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कहा कि यह बातचीत एक दिलचस्प नजरिया देती है। एक युवा लड़की ने उनसे कहा कि विद्यार्थी वह होता है जिसका मन और दिल खुला हो। उसने कहा कि दुनिया में ऐसे लोग भी होते हैं जिन्हें लगता है कि वे सब कुछ जानते हैं, वे खुद को भगवान मानते हैं और दूसरों की सच्चाई का सम्मान नहीं करते। जब उन्होंने पूछा कि ऐसे लोगों को वह क्या कहती है तो लड़की ने जवाब दिया मैं उन्हें इडियट कहती हूं।

इस बयान पर सत्ता पक्ष ने जोरदार हंगामा किया और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इसे असंसदीय बताते हुए कार्यवाही से हटाने की मांग की। स्पीकर ओम बिरला ने यह शब्द सदन की कार्यवाही से हटाने का आदेश दिया।

राहुल गांधी ने छात्रों के प्रदर्शन का समर्थन करते हुए कहा कि यह गुस्सा या नफरत नहीं था बल्कि देश के युवाओं और आने वाली पीढ़ी की गहरी भावना का इजहार था। छात्रों का सम्मान होना चाहिए और भाजपा नेताओं को यह समझना चाहिए कि यही युवा देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा नेता अपने बच्चों से पूछें तो वे भी छात्रों के समर्थन में खड़े होंगे।

इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के आदेश पर छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल पर हुआ। इस आरोप पर सत्ता पक्ष ने फिर हंगामा किया। किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की और कहा कि बिना तथ्यों के इस तरह का आरोप नहीं लगाया जा सकता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि राहुल गांधी को अपनी बात रखने दी जाए लेकिन असंसदीय शब्द रिकॉर्ड से हटाए जाएं।

राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों को भारत में अपनी बात कहने और सवाल पूछने की आजादी नहीं दी जा रही है। उन्हें मनगढ़ंत हिस्ट्री मानने के लिए मजबूर किया जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था निजीकरण और वसूली से भरी हुई है और यह बहुत क्रूर और खराब सिस्टम है। सदन में हंगामे के बीच राहुल गांधी ने कहा कि जब भी वह बोलते हैं सत्ता पक्ष शोर मचाने लगता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं को छात्रों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए क्योंकि यही युवा देश का भविष्य हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो हुआ है उसमें कुछ भी गलत नहीं है और हर भारतीय को इस पर गर्व होना चाहिए।

किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी को इस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बिना आधार के गृह मंत्री पर आरोप नहीं लगा सकते।

सीबीआई ने नीट पेपर लीक केस में चार्जशीट दाखिल की, इसमें 13 आरोपितों के नाम

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक मामले में 13 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी। नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई के लिए गठित फास्ट ट्रैक कोर्ट की जज अनु ग्रोवर बलिगा इसकी सुनवाई करेंगी।

इन आरोपितों के नाम यश यादव, मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रहलाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवलदार हैं। यह सभी अभी न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 315(5), 318(4), 61(2), 238, 303(2), भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13(2) और 13(1)(ए) और पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट की धारा 10 ,धारा 3, 4, 5 और 11 के तहत एफआईआर दर्ज की थी।

नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई के लिए गठित फास्ट ट्रैक कोर्ट में पहले दिन 27 जुलाई को सुनवाई टल गई थी। दिल्ली उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने इस फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का आदेश दिया था। उन्होंने इस कोर्ट में जज अनु ग्रोवर बलिगा को नियुक्त किया है। यह कोर्ट पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मिन्स) एक्ट के तहत दर्ज मामलों की करेगी।

सीजेपी ने फिर दी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से देश भर में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी गई है। सीजेपी का आरोप है कि सरकार पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों का इस्तेमाल, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर वापस लेने के अपने पहले के आश्वासन से बचने के लिए कर रही है।

सीजेपी की ओर से यह चेतावनी उस वक्त आई, जब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के जंतर-मंतर और अन्य स्थानों पर परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ अत्यधिक बल के कथित उपयोग से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए निर्देश दिया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने दावा किया कि केंद्र ने पहले प्रदर्शनकारी छात्रों को सार्वजनिक रूप से आश्वासन दिया था कि उनके खिलाफ कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी और मौजूदा मामले वापस ले लिए जाएंगे।

- कहा, सुप्रीम कोर्ट का सियासी इस्तेमाल कर रही सरकार
- कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं करने का दिया था आश्वासन

सरकार अब कह रही है मामला अदालत में विचाराधीन

सौरव दास की ओर से कहा गया, 'हालांकि, हमारे विरोध प्रदर्शन से संबंधित जनहित याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, सरकार अब कह रही है कि मामला अदालत में विचाराधीन है, अदालत की टिप्पणी का हवाला देते हुए कि मौजूदा एफआईआर की जांच जारी रह सकती है।'

सार संक्षेप

राहुल गांधी का संसद में नहीं बोलने देने का आरोप गलतः भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस दावे को खारिज किया है कि उन्हें बुधवार को संसद में नहीं बोलने दिया गया। पार्टी ने विपक्ष के नेता पर बार-बार बात बदलने (गोल पोस्ट बदलने) का आरोप लगाया है । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि श्री गांधी ने शाम को संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने फिर से तथ्यों से भटकाने की कोशिश की।

स्वदेशी युद्धपोत 'मछलीपट्टनम' का जलावतरण

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के लिए देश में ही बनाए जा रहे आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों में से सातवें, 'मछलीपट्टनम' का बुधवार को जलावतरण किया गया। मछलीपट्टनम को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाया जा रहा है और इसका जलावतरण श्रीमती गुलरुख आनंद ने किया। इस मौके पर सैन्य मामलों के विभाग के अतिरिक्त सचिव, वाइस एडमिरल अतुल आनंद भी मौजूद थे।

राज्यसभा सांसद अंबुमणि पीएमके के अध्यक्ष चुने गए

चेन्नई। राज्यसभा सांसद अंबुमणि बुधवार को यहां आयोजित सामान्य परिषद की बैठक में पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) का सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। पार्टी संस्थापक डॉ. एस. रामदास के चार दिन पहले अपने 88वें जन्मदिन पर अपने बेटे को पार्टी की कमान सौंपने और राजनीति में हस्तक्षेप न करने का फैसला लेने के बाद मामल्लापुरम में आयोजित बैठक में इस संबंध में एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

पीओके के हालात बेकाबू

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 40 निर्दोषों की मौत

इस्लामाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने भारी बल का इस्तेमाल किया। उनकी कार्रवाई में 40 लोगों के मारे जाने और दर्जनों के घायल होने का दावा किया गया है।

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने बुधवार को रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि 27 और 28 जुलाई के बीच रावलाकोट, मीरपुर और अन्य क्षेत्रों में करीब 40 नागरिकों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए और मनमाने ढंग से गिरफ्तार किए गए। संगठन ने गहरी चिंता जताते हुए दावा किया कि 5 जून से अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, सैकड़ों घायल हुए और सैकड़ों लोगों को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा कथित तौर पर जबरन लापता किया गया है।

यूकेपीएनपी ने पाकिस्तानी बलों की कार्रवाई की निंदा

संचार सेवाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लागू

पीओके में जारी ये प्रदर्शन इस्लामाबाद के लंबे समय से चले आ रहे नियंत्रण को खुली चुनौती के रूप में देखे जा रहे हैं। आरोप है कि इसके जवाब में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने व्यापक दमन अभियान चलाया है, जिसमें निर्दोष लोगों की हत्याएं की गई हैं, कई घायल हुए हैं और बड़े पैमाने पर उत्पीड़न का दौर जारी है। पूरे क्षेत्र में कई दिनों से कड़ी नाकेबंदी, कर्फ्यू और संचार सेवाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है।

झूठ बोलकर माहौल खराब करना चाहते हैं राहुल गांधीः भाजपा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर संसद के अंदर एवं बाहर झूठ बोलकर और भ्रम फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर फायरिंग किए जाने के राहुल गांधी के आरोप बेबुनियाद हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं लोकसभा सदस्य डॉ. संबित पात्रा ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में राहुल गांधी के उस बयान को खारिज किया, जिसमें उन्होंने छात्रों पर गोली चलाने और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आदेश का जिक्र किया था। पात्रा ने कहा कि छात्रों पर कोई गोली नहीं चलाई गई और राहुल गांधी ने बिना किसी तथ्य के यह आरोप लगाया।

सांसद पात्रा ने कहा, अगर सदन के अंदर कोई आरोप लगाया जाता है तो उसके समर्थन में तथ्य भी देने पड़ते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों पर गोली चली और इसका आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया, यह पूरी तरह झूठ है। ऐसी परिस्थितियों में कानून के अनुसार निर्णय संबंधित मजिस्ट्रेट लेते हैं, गृहमंत्री नहीं। राहुल गांधी को यह जानकारी होनी चाहिए।

भाजपा प्रवक्ता डॉ. पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी देश को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि देश के गृहमंत्री की गतिविधियां सार्वजनिक होती हैं, वे चोरी-छिपे विदेश नहीं जाते।

डॉ. पात्रा ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक पर लोकसभा में हुई चर्चा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह राहुल गांधी के सवालों का जवाब देने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन विपक्ष ने सदन में अलग माहौल बनाने की कोशिश की।

राहुल गांधी के छात्रों से जुड़े बयान पर भी पात्रा ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने छात्रों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटने की कोशिश की, जबकि भाजपा मानती है कि देश का हर छात्र समान है। पात्रा ने कहा, इस देश का कोई भी छात्र अंधभक्त या इडियट नहीं है। राहुल ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, वह छात्रों का अपमान है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्र क्या अंधभक्त थे? वहां पहुंचने वाले अन्य लोग क्या अंधभक्त थे? इन सब बातों से पता चलता है कि राहुल को जेन-जी की चिंता नहीं है। इनको जेनरेशन गांधी की चिंता है।

भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने कहा कि राहुल को अपने बयानों के लिए जवाब देना चाहिए और संसद के साथ-साथ देश के सामने तथ्यों के आधार पर बात रखनी चाहिए।

यूक्रेन के पास ब्लैक सी हमलों में फंसे 13 भारतीय नाविक

काला सागर बंदरगाह के आसपास ड्रोन व मिसाइल हमले जारी

कीव, 29 जुलाई (एजेंसियां)। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) के अनुसार, यूक्रेन के चोर्नोमोरस्क बंदरगाह पर एक मालवाहक जहाज पर फंसे 15 चालक दल के सदस्यों में कम से कम 13 भारतीय नाविक शामिल हैं, क्योंकि रणनीतिक काला सागर बंदरगाह के आसपास ड्रोन और मिसाइल हमले जारी हैं।

संगठन के अनुसार, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ब्लैक सी बंदरगाह के आसपास ड्रोन और मिसाइल हमले लगातार जारी हैं, जिससे जहाज पर मौजूद चालक दल की जान को गंभीर खतरा बना हुआ है।

नाविकों के संगठन ने चेतावनी दी है कि चालक दल एक 'भयानक और जानलेवा स्थिति' में फंसा हुआ है। संगठन का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण जहाज पर मौजूद लोग हर समय इस डर में जी रहे हैं कि किसी भी समय कोई हमला सीधे जहाज को निशाना बना सकता है।

एफएसयूआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से भारत सरकार और अन्य संबंधित पक्षों से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है, ताकि जहाज पर फंसे चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

समुद्री संगठन ने जताई चिंता

भारत की नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग

नई दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में काम कर रहे वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की है। भारत ने कहा है कि मौजूदा संघर्ष के बीच समुद्री परिवहन और नाविकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में मनमोहन सिंह को क्लीन चिट

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में वर्ष 2015 में ट्रायल कोर्ट की ओर से प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को जारी किए गए समन को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के साथ यूपीए सरकार के दौर के सबसे चर्चित आपराधिक मामलों में से एक में औपचारिक रूप से दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दोषमुक्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने या उनके खिलाफ संज्ञान लेने के कोई ठोस कारण नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पेशल सीबीआई कोर्ट के 2015 के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पांच अन्य को तालाबिरा-2 कोल ब्लॉक आवंटन मामले में आरोपी के तौर पर समन भेजा गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को दी मंजूरी

5 महिला सहित 8 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

रांची, 29 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में सक्रिय आठ माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ कर बीजापुर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें पांच महिला भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी कैडर पर 49 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल आत्मसमर्पण, पुनर्वास नीति एवं पुनर्वास कार्यक्रमों से प्रभावित होकर तथा बीजापुर जिले में संचालित पुनर्वास एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के संबंध में समाचारों से प्रेरित होकर झारखंड राज्य में सक्रिय 8 माओवादी कैडरों ने झारखंड पुलिस एवं सीआरपीएफ के सहयोग से बीजापुर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

49 लाख रुपए का ईनाम घोषित था

जवाब — केंद्र सरकार ने संसद में दी जानकारी

बैंकों ने न्यूनतम बैलेंस शुल्क के रूप में 26,170 करोड़ वसूले

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बैंकों ने वित्त वर्ष 23 से वित्त वर्ष 26 के बीच चार वर्षों में खातों में न्यूनतम औसत शेष राशि बनाए नहीं रखने पर ग्राहकों से 26,170 करोड़ रुपए से अधिक की जुर्माना वसूला है। यह जानकारी सरकार की ओर से संसद में दी गई। राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा लिखित जवाब में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, निजी क्षेत्र के बैंकों ने न्यूनतम बैलेंस शुल्क के रूप में सरकारी बैंकों की तुलना में अधिक राशि वसूली है।

केवल वित्त वर्ष 2026 में ही बैंकों ने न्यूनतम बैलेंस शुल्क के रूप में 7,086.63 करोड़ रुपए वसूले। इसमें निजी बैंकों ने 4,948.71 करोड़ रुपए जुटाए, जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा वसूले गए 2,137.92 करोड़ रुपए से दोगुने से भी अधिक है। निजी बैंकों में एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2026 में सबसे अधिक 1,798.14 करोड़ रुपए न्यूनतम बैलेंस शुल्क के रूप में वसूले। इसके बाद एक्सिस बैंक का स्थान रहा, जिसने 1,081.33 करोड़ रुपए वसूले। इन दोनों बैंकों की हिस्सेदारी निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा वसूले गए कुल न्यूनतम बैलेंस शुल्क का लगभग 58 प्रतिशत रही। अन्य निजी बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक ने 353.50 करोड़ रुपए, कोटक महिंद्रा बैंक ने 290.65 करोड़ रुपए, यस बैंक ने 195.05 करोड़ रुपए और आईडीबीआई बैंक ने 175.15 करोड़ रुपए वसूले। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एसबीआई ने सबसे अधिक 477.27 करोड़ रुपए वसूले। इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने 394.10 करोड़ रुपए और इंडियन बैंक ने 299.17 करोड़ रुपए वसूले।

- एचडीएफसी बैंक ने सबसे अधिक 1,798.14 करोड़ लिया जुर्माना

10 बैंकों ने बचत खातों पर शुल्क समाप्त किया

सरकार ने बताया कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से 10 बैंकों ने बचत खातों में न्यूनतम औसत बैलेंस नहीं रखने पर लगने वाले शुल्क को पूरी तरह समाप्त कर दिया है, जबकि बाकी दो बैंकों ने अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों और व्यावसायिक जरूरतों के अनुरूप इन शुल्कों को तर्कसंगत बनाया है।

संक्षिप्त समाचार

क्रिकेटर युवराज सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक ऑनलाइन कंटेंट हटाने का आदेश

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने क्रिकेटर युवराज सिंह के खिलाफ आपत्तिजनक ऑनलाइन कंटेंट हटाने का आदेश दिया है। जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने इस मामले के प्रतिवादियों को उनके सोशल मीडिया हैंडल के जरिये नोटिस जारी करने का आदेश दिया। बेंच ने साफ किया कि वो सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स से यह उम्मीद नहीं कर सकतीं कि वह अपने आप आपत्तिजनक कंटेंट को हटा लेंगे । बेंच ने कहा कि इस मसले पर कोर्ट ही पड़ताल कर आदेश दे सकती है। इस दौरान युवराज सिंह के वकील ने कहा कि आपत्तिजनक कंटेंट के दो लिंक हटा दिए गए हैं। बाकी लिंक के जरिये युवराज सिंह की बिना अनुमति के अनधिकृत रूप से उनके नाम का व्यावसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले हाई कोर्ट कई नामचीन हस्तियों के व्यक्तित्व के अधिकारों की रक्षा का आदेश दे चुका है।

डूटा का फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी में धरना, शिक्षकों को जारी नोटिस वापस लेने की मांग

नई दिल्ली, 29 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी के 34 शिक्षकों को जारी कारण बताओ नोटिस के विरोध में बुधवार को फैकल्टी परिसर में धरना दिया। डूटा ने डीन द्वारा 28 जुलाई को जारी ज्ञापन को शिक्षकों की गरिमा पर हमला बताते हुए उसकी कड़े शब्दों में निंदा की और बिना शर्त तत्काल वापस लेने की मांग की। डूटा अध्यक्ष प्रो. वी.एस. नेगी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा जैसे पावन अवसर पर शिक्षकों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन के इस कदम से शिक्षकों का मनोबल प्रभावित हुआ है और यह दिल्ली विश्वविद्यालय की गरिमा के अनुरूप नहीं है। डूटा पदाधिकारियों ने इस संबंध में डीन से मुलाकात कर विवादित ज्ञापन वापस लेने का आग्रह किया, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई सकारात्मक आश्वासन नहीं मिला। इसके बाद विरोध स्वरूप फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी परिसर में धरना शुरू किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक और कर्मचारी शामिल हुए। धरने के दौरान शिक्षकों ने प्रशासन से दबावपूर्ण रवैया समाप्त करने और शिक्षकों के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। डूटा ने स्पष्ट किया कि जब तक 34 शिक्षकों को जारी ज्ञापन बिना शर्त वापस नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग का पुनर्गठन, सुनीता कांगड़ा बनीं अध्यक्ष

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग का पुनर्गठन करते हुए सुनीता कांगड़ा को आयोग की अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ मनोज कुमार और सुशांत सागर को आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सफाई कर्मचारियों के कल्याण, उनके अधिकारों की सुरक्षा और उनसे जुड़े मुद्दों के प्रभावी समाधान के लिए दिल्ली आयोग सफाई कर्मचारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन नियुक्तियों से आयोग अधिक सक्रिय, प्रभावी एवं जनोन्मुख होकर कार्य करेगा तथा सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण से जुड़े कार्यों को नई गति मिलेगी। साथ ही इससे दिल्ली में बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था और जनसेवा को भी मजबूती मिलेगी।

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली लक्ष्मी योजना को लेकर सरकार पर साधा निशाना, कहा पात्रता के लिए कई शर्तें रखना गलत

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली लक्ष्मी योजना को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दिल्ली में कल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्रता शर्तों का विरोध किया। सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने कल एक फैसला लिया था जिसके तहत राजधानी की महिलाओं को 2500 रुपये का भत्ता देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई शर्तों के बाद इस योजना को मंजूरी दी थी। आआपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के पहले तो सरकार ने जनता से वादा किया गया था कि दिल्ली लक्ष्मी योजना दिल्ली की सभी महिलाओ को दी जाएगी लेकिन सरकार अब क्या कर रही है? उन्होंने इतनी सारी शर्तें लगा दी हैं कि असल में किसी को भी यह नहीं मिल पाएगा। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस योजना के तहत पहली शर्ती रखी है कि महिला 21 साल से ऊपर और 60 साल से नीचे नही होनी चाहिए। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वोट तो सरकार 18 साल से ऊपर सबका लेती है फिर इस योजना के लाभ के लिए उम्र की शर्तें क्यों। भारद्वाज ने कहा कि सरकार ने इस योजना को लेकर कई शर्त रखी है जिसमें महिला के पास दिल्ली में 10 साल रहने का प्रमाण, एक परिवार में एक ही महिला को इस योजना का लाभ मिलेगा, महिला के परिवार में किसी भी तरह का केस नही होना चाहिए, तीन बच्चें से ज्यादा नही होना चाहिए, एक साल के अंदर 2400 यूनिट से ज्यादा बिजली की खपत नही होनी चाहिए और इसके अलावा उसके पास राशन कार्ड होना चाहिए। उन्होंने दिल्ली लक्ष्मी योजना को मजाक बताया। आआपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि फरवरी को दिल्ली में सरकार बने थी और दिल्ली सरकार ने 8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को सभी महिलाओं के खाते में 2500 रुपये देने का वादा किया था लेकिन आज तक उनके खाते में पैसे नही डाले।

मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि मंदिर में किए दर्शन-पूजन

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को मंदिर मार्ग स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान के समक्ष राष्ट्र की प्रगति, दिल्ली के सर्वांगीण विकास तथा समाज में शांति, सद्भाव और समरसता की प्रार्थना की। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संत-महात्माओं एवं गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल ज्ञान प्रदान करने वाले शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। गुरु ही व्यक्ति के भीतर ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और सेवा की भावना का संचार करते हैं तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति की उन महान परंपराओं का पर्व है, जो हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

अशोक विहार के पार्क में युवक की चाकू मारकर हत्या, महिला भी घायल

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। उत्तर पश्चिमी जिले के अशोक विहार इलाके में बुधवार दोपहर पार्क में बैठे एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हमले में उसके साथ मौजूद महिला भी घायल हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब 3:33 बजे भारत नगर थाना पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए अशोक विहार में चाकूबाजी की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां देवकी (26) निवासी जहांगीरपुरी और सुनील (30) निवासी मैनपुरी घायल अवस्था में मिले। प्रारंभिक पूछताछ में देवकी ने पुलिस को बताया कि वह सुनील के साथ पार्क में मौजूद थी। इसी दौरान तीन से चार अज्ञात युवक वहां पहुंचे। किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपितों में से एक ने चाकू निकालकर सुनील और देवकी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल सुनील को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, देवकी का इलाज कराया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला के बयान के आधार पर घटना की जांच की जा रही है। पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव के अनुसार आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विवाद किस बात को लेकर हुआ था और हमलावरों की पहचान क्या है। भारत नगर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

फोन कर घर से बुलाया, फिर चाकू और ईंट से किया हमला, नौवीं के छात्र की मौत, दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर थाना क्षेत्र के कर्दमपुरी इलाके में नौवीं कक्षा के छात्र इंतजार (17) की चाकू और ईंट से हमला कर हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमलावर उसे फोन कर बहाने से घर से बुलाकर ले गए और सुनसान जगह पर वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद आरोपित फरार हो गए। पुलिस ने मामले में दो मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपित की तलाश जारी है।

उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल के अनुसार इंतजार अपने परिवार के साथ गली नंबर-6, कर्दमपुरी में रहता था। परिवार में पिता बाबू अली, मां और दो बहनें हैं। इंतजार परिवार का इकलौता बेटा था और इलाके के एक स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ता था।

पुलिस के मुताबिक मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे इंतजार घर पर था। इसी दौरान रिहान नामक युवक ने उसे फोन कर बाहर बुलाया। आरोप है कि रिहान उसे स्कूटी पर बैठाकर ले गया। रास्ते में दो अन्य युवक भी स्कूटी पर सवार हो गए। गली नंबर-4 स्थित पुलिया के पास पहुंचते ही आरोपियों ने इंतजार पर ईंट और चाकू से हमला कर दिया।

हमले के बाद इंतजार जान बचाने के लिए इधर-उधर भागता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वह एक घर में घुसकर बचने की कोशिश भी कर रहा था, लेकिन आरोपी उसके पीछे पहुंच गए और उसके सीने पर कई बार चाकू से वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल इंतजार को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि दिसंबर 2025 में इलाके में हुई एक युवक की हत्या के मामले में कुछ लोगों को इंतजार पर शक था, हालांकि पुलिस जांच में उस मामले में उसकी कोई भूमिका नहीं मिली थी। इसके अलावा स्थानीय युवक अमन उर्फ बिट्टू से भी उसका विवाद हुआ था। पुलिस इन्हीं पहलुओं को हत्या की संभावित वजह मानकर जांच कर रही है। हालांकि, हत्या के पीछे का सटीक कारण अभी जांच का विषय है।

वारदात की सूचना मिलने के बाद क्राइम टीम और एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की और कुछ ही घंटों में कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपित अरमान (18) और अलफैज (18) को गिरफ्तार कर लिया। तीसरे आरोपित की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

सात घंटे में ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा, दो नाबालिग पकड़े गए

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस ने महज सात घंटे के भीतर एक ब्लाइंड मर्डर केस का पदार्फाश करते हुए हत्या में शामिल दो नाबालिग को पकड़ लिया।

पुलिस ने उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू और वारदात के समय पहने गए कपड़े भी बरामद किए हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि दोनों किशोर फैक्ट्री में काम करते थे और मृतक द्वारा कथित तौर पर लगातार परेशान किए जाने से तंग आकर उन्होंने हत्या की साजिश रची थी।

पुलिस के मुताबिक, 28 जुलाई को सुबह करीब 11:30 बजे न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि डीडीए पार्क के भीतर एक गड्ढे में युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां करीब 18 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिला। उसके शरीर पर चाकू से गोदने के कई निशान थे। घटनास्थल के पास खून से सना चाकू भी पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई के लिए जेपीसी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक साइंस टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का

बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद न्यू उस्मानपुर थाने में एफआईआर संख्या 514/2026 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

उत्तर-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बुधवार को बताया कि, मामले का जल्द खुलासा करने के लिए एसीपी सीलमपुर मलकीयत सिंह की निगरानी में टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तकनीकी सर्विलांस का सहारा लिया और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई। लगातार प्रयासों के बाद मृतक की पहचान साद उर्फ नामी (16), निवासी लोनी, गाजियाबाद के रूप में हुई।

इसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर लोनी के बेहटा हाजीपुर निवासी 16 और 17 वर्षीय दो नाबालिग को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने हत्या में अपनी भूमिका स्वीकार कर ली। पूछताछ में दोनों नाबालिग ने बताया कि वे एक फैक्ट्री में काम करते हैं। मृतक साद उर्फ नामी उन्हें अक्सर धमकाता, परेशान करता और बदमाशी करता था। इससे तंग आकर उन्होंने 27 जुलाई को साद को चप्पल खरीदने के बहाने डीडीए पार्क बुलाया। वहां बातचीत के दौरान कहासुनी हुई, जिसके बाद दोनों ने चाकू से उस पर कई वार किए और उसे मौके पर छोड़कर फरार हो गए। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू तथा वारदात के समय पहने गए उनके कपड़े बरामद कर लिए हैं। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना की स्वीकृति पर महिलाओं ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली लक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन दिशा-निदेर्शों को मंजूरी दिए जाने के बाद बुधवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने दिल्ली सचिवालय पहुंचकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए उनके समर्थन में उत्साहपूर्ण नारों के साथ उनका अभिनंदन किया और इस योजना को महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय बताया। इस अवसर पर सचिवालय परिसर में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

महिलाओं ने कहा कि यह योजना दिल्ली की लाखों बहनों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया अध्याय लिखेगी। इस दौरान उपस्थित महिलाओं ने मुख्यमंत्री के साथ संवाद भी किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए धन्यवाद देते हुए उनके सफल नेतृत्व की सराहना की। मुख्यमंत्री ने भी सभी महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनका नहीं, बल्कि दिल्ली की प्रत्येक महिला की आकांक्षाओं और विश्वास का सम्मान है। दिल्ली सरकार ने जो वादा महिलाओं से किया था, उसे पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली योजना नहीं है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने का व्यापक प्रयास है। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र महिला तक योजना का लाभ पूरी पारदर्शिता और सरल प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचाना है। उन्होंने यह भी बताया कि 1 अगस्त से दिल्ली लक्ष्मी योजना का पोर्टल प्रारंभ होगा, जिसके माध्यम से पात्र महिलाएं ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पात्रता सत्यापन एवं स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद रक्षाबंधन के अवसर पर प्रथम चरण की लाभार्थी महिलाओं को पहली किस्त प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी महिलाओं के कल्याण से जुड़े अनेक जनहितकारी निर्णय लिए जाते रहेंगे।

यमुना पुनर्जीवन के लिए लगभग 4,500 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली जल बोर्ड ने लगभग 4,500 करोड़ की यमुना पुनर्जीवन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में 15 नए विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपीएस), सीवर नेटवर्क का विस्तार, मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों का उन्नयन, स्लज प्रबंधन सुविधाओं का विकास, ड्रेनों का इन-सीटू ट्रीटमेंट तथा अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इन मंजूरियों के साथ दिल्ली जल बोर्ड अब कुल 28 विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों पर कार्य करेगा, जिनमें पहले स्वीकृत 13 डीएसटीपीएस तथा अब स्वीकृत 15 नए डीएसटीपीएस शामिल हैं। यह दिल्ली के सीवेज शोधन ढांचे के विस्तार की अब तक की सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक है। दिल्ली जल बोर्ड की 179वीं बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए सरकार ने समस्या की जड़ पर काम करते हुए एक व्यापक एवं अवसंरचना आधारित रणनीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 1,000 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रतिदिन) सीवेज उत्पन्न होता है। जब वर्तमान सरकार ने कार्यभार संभाला

था, तब राजधानी की कुल सीवेज शोधन क्षमता केवल 749 एमजीडी थी, जिससे उपचार क्षमता और सीवेज उत्पादन के बीच बड़ा अंतर था। सरकार ने मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों के उन्नयन और पुनर्वास के माध्यम से इस क्षमता को बढ़ाकर 814 एमजीडी कर दिया है। सभी 28 डीएसटीपीएस के पूरा होने के बाद दिल्ली की कुल सीवेज शोधन क्षमता 227 एमजीडी और बढ़कर 1,041 एमजीडी हो जाएगी, जो वर्तमान में उत्पन्न होने वाले कुल सीवेज से भी अधिक होगी। मंत्री ने कहा कि दिल्ली के इतिहास में पहली बार हमारी सीवेज शोधन क्षमता शहर में उत्पन्न होने वाले सीवेज से अधिक होगी। यह यमुना पुनर्जीवन के हमारे संकल्प की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और दिल्ली के लिए एक टिकाऊ सीवेज प्रबंधन व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम भी। उन्होंने बताया कि पहले 13 डीएसटीपीएस को स्वीकृति दी जा चुकी थी, जबकि अब दिल्ली जल बोर्ड ने 15 नए डीएसटीपीएस को लगभग 2,000 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की है।

इनकी कुल शोधन क्षमता 103.5 एमजीडी होगी और इनसे लगभग 20 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि ये 15 नए डीएसटीपीएस एक व्यापक सीवर अवसंरचना कार्यक्रम का हिस्सा हैं, जिसके अंतर्गत लगभग 1,600 करोड़ की लागत से 989 किलोमीटर नए सीवर नेटवर्क का निर्माण किया जाएगा और 244 कॉलोनियों और 57 गांवों में घरों को सीवर नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इससे लाखों परिवार सीधे सीवर प्रणाली से जुड़ सकेंगे और बिना उपचारित सीवेज के नालों तथा यमुना में जाने पर प्रभावी रोक लगेगी। मंत्री ने बताया कि नई परियोजनाओं के साथ-साथ सरकार मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट अवसंरचना को भी मजबूत कर रही है। मौजूदा एसटीपी की क्षमता 66 एमजीडी से बढ़ाकर 86.8 एमजीडी की जा रही है, वहीं 35 एमजीडी क्षमता का नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी लगभग 918 करोड़ की लागत से विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि दीर्घकालिक और टिकाऊ सीवेज प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने कोरोनेशन पिलर, केशोपुर, रिठाला, नरेला और रोहिणी स्थित 10 मौजूदा एसटीपी में स्लज प्रबंधन सुविधाओं को भी मंजूरी दी है। 274 करोड़ की इस परियोजना के माध्यम से सीवेज से निकलने वाले स्लज का वैज्ञानिक उपचार, सुरक्षित निस्तारण और उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय के तहत दिल्ली गेट ड्रेन के इन-सीटू ट्रीटमेंट के लिए 65 करोड़ की परियोजना को भी मंजूरी दी गई है। इससे यमुना में पहुंचने वाले पानी की गुणवत्ता बेहतर होगी तथा प्रदूषण को स्रोत स्तर पर ही कम किया जा सकेगा।

प्रदर्शन में गोली लगने का दावा गलत, एमएलसी में नहीं मिले गोली के सबूत: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 29 जुलाई (हि.स.)। नई दिल्ली में 20 जुलाई को हुए प्रदर्शन के दौरान एक प्रदर्शनकारी को गोली लगने के सोशल मीडिया पर वायरल दावे को दिल्ली पुलिस ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर फैक्ट चेक जारी करते हुए स्पष्ट किया कि मेडिकल लीगल केस (एमएलसी) में गोली लगने का कोई उल्लेख या प्रमाण नहीं है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट और वीडियो में दावा किया जा रहा था कि प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति को गोली लगी थी। मामले की जांच और मेडिकल दस्तावेजों की समीक्षा के बाद पुलिस ने कहा कि यह दावा तथ्यों पर आधारित नहीं है।

पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, एमएलसी में घायल व्यक्ति के दाहिने कान के सामने (राइट ट्रेगस) के पास लैसरेटेड वूंड (कट) दर्ज किया गया है। डॉक्टरों ने इस चोट की प्रकृति ब्लंट इंजरी (कुंद वस्तु से लगी चोट) बताई है। मेडिकल राय में यह साधारण चोट है और कहीं भी गोली लगने का कोई संकेत या सबूत नहीं मिला।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मेडिकल रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से यह साबित करते हैं कि गोली लगने का दावा निराधार है। इसलिए सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही ऐसी जानकारी भ्रामक है और लोगों को भ्रमित कर सकती है।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संवेदनशील घटना से जुड़ी जानकारी साझा करने से पहले उसकी सत्यता आधिकारिक स्रोतों से अवश्य जांच लें। बिना पुष्टि के पोस्ट, वीडियो या दावों को आगे बढ़ाने से अफवाहें फैलती हैं और कानून-व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। दिल्ली पुलिस ने दोहराया कि सही और प्रामाणिक जानकारी के लिए केवल उसके आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अधिकृत माध्यमों पर ही भरोसा करें।

भविष्यफल

मेष- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

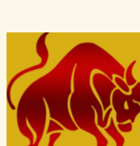

वृष- परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

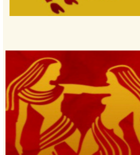

मिथुन- विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

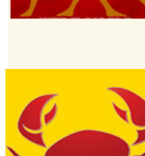

कर्क- पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह- दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

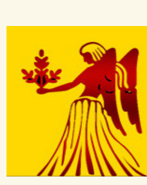

कन्या- रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला- संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

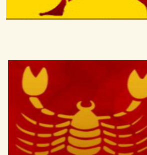

वृश्चिक- कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-

धनु- मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर- शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

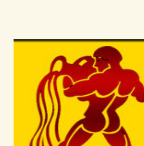

कुंभ- विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

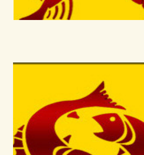

मीन- क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती है। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

अब बाब-अल-मंदेब पर बढ़ा संकट, ईरान ने दी सलाह

होर्मुज स्ट्रेट के बाद लाल सागर पर जहाजों से टोल लेने की तैयारी, भारत पर बड़ा असर

● सना / (एजेंसी)

मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जंग दोबारा शुरू होने से होर्मुज स्ट्रेट एक बार फिर से बंद पड़ा है। जहाज फंसे हुए हैं। अब दुनिया के दूसरे सबसे अहम समुद्री रास्ते दक्षिणी लाल सागर और बाब-अल-मंदेब पर भी नया संकट मंडराने लगा है। इसका असर भारत पर व्यापक होगा। होर्मुज और लाल सागर में एक साथ पैदा हुई बाधाओं सेभारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गहरा संकट मंडरा रहा है। रेटिंग एजेंसी केयरएज रेटिंग्स ने रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि यदि दोनों समुद्री मार्ग एक साथ बंद होते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) की कीमत 130 से 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही अब इस समुद्री रूट से गुजरने वाले जहाजों से ट्रांजिट फीस (टोल) वसूलने की प्लानिंग में हैं। टोल सिस्टम का आइडिया खुद ईरान ने दिया है। टैक्स से चीन के जहाजों को छूट मिल सकती है। हालांकि, लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों से टैक्स से वसूला जाएगा, इसकी कोई डेडलाइन तय नहीं की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हूती विद्रोही दक्षिणी लाल सागर और बाब-अल-मंदेब से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों पर फीस लगाने के लिए एक रेगुलेटरी स्ट्रक्चर पर काम कर रहे हैं। इसमें ईरानी एक्सपर्ट की खास भूमिका बताई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई में खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए हूती नेता ईरान गए थे। वहां ईरानी अधिकारियों ने जहाजों पर टैक्स लगाने का आइडिया दिया था। माना जा रहा है कि हूती, होर्मुज में ईरान के अपनाए गए प्रेशर मॉडल की तर्ज पर रेड सी में भी अपनी पकड़ मजबूत करना चाहते हैं।

एक्सपर्ट का मानना है कि हूती जिस मॉडल पर काम कर रहे हैं, वह ईरान की उस रणनीति से मिलता-जुलता है। इसमें समुद्री रास्तों पर दबाव बनाकर राजनीतिक और आर्थिक बढ़त हासिल करने की कोशिश की जाती है।

भारतीय जहाजों का बीमा कवर होगा महंगा

भारत का यूरोप और भूमध्यसागर के साथ होने वाला बड़ा समुद्री व्यापार लाल सागर और बाब-अल-मंदेब के रास्ते होता है। अगर यहां टोल लागू होता है या सुरक्षा जोखिम बढ़ता है, तो भारतीय जहाजों का बीमा (वार रिस्क इंश्योरेंस) महंगा हो सकता है। शिपिंग कंपनियों की ऑपरेशन कॉस्ट बढ़ सकती है। यूरोप जाने वाले भारतीय निर्यात में देरी हो सकती है। आयातित सामान और ऊर्जा की ढुलाई महंगी पड़ सकती है।

अमेरिका और सऊदी अरब ने मिलकर किया हवाई हमला

अब युद्ध में कूदा सऊदी अरब

तेहरान, आरएनएन। सऊदी अरब और अमेरिका ने बुधवार को इराक़ में ईरान समर्थित मिलिशिया ठिकानों पर संयुक्त हवाई हमले किए। अमेरिका ने इसे अपने सैनिकों और सऊदी के ऊर्जा ठिकानों पर हुए ड्रोन हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया है। वहीं, ईरान समर्थित पॉपुलर मोबिलाइज़ेशन फ़ोर्सेज़ (पीएमएफ़) ने दावा किया है कि इन हमलों में उसके कम से कम 20 लड़ाकों की मौत हुई है और 32 अन्य घायल हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि हमले इराक़ के पूर्वी हिस्से में मौजूद ईरान समर्थित आतंकवादी ठिकानों पर किए गए। पिछले 72 घंटों में आईआरजीसी के निर्देश अमेरिकी बलों और सऊदी अरब के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाकर 30 से अधिक ड्रोन हमले किए गए थे, जिन्हें विफल कर दिया गया। सेंटकॉम ने दावा किया कि मंगलवार को ईरान ने अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमला करने की भी कोशिश की थी, लेकिन इन्हें इंटरसेप्ट कर लिया गया।

पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बोले पीओके के प्रदर्शनकारी भारत जैसे

हिंसा में 32 से अधिक निर्दोष लोगों की जा चुकी है जान

● पेशावर / (एजेंसी)

पीओके में हक और बुनियादी अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरे आम नागरिकों पर पाक फौजियों ने गोलियां बरसा दी हैं। इस खूनी कार्रवाई में अब तक दर्जनों निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है।

इस पूरे नरसंहार पर अमानवीयता की सारी हदें पार करते हुए पाक के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बयान दिया है कि वे अपनी आवाज उठा रहे प्रदर्शनकारियों को पाक का दुश्मन मानते हैं और उन्हें भारत की श्रेणी में रखते हैं।

रावलकोट और मीरपुर से लेकर पीओके के कई इलाकों में हालात बेकाबू हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में हुई हिंसा में 32 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 5 को शुरू हुए इन विरोध प्रदर्शनों के बाद से अब तक 80 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। ताजा हिंसा मीरपुर में देखने को मिली, जहां पाक सेना ने सीधे आम नागरिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इसमें 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और करीब 50 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के अनुसार, मीरपुर और आसपास की सड़कें लाशों से पटी पड़ी हैं। एम्बुलेंस की भारी कमी के कारण लोग अपनों को कंधों पर उठाकर अस्पताल ले जाने को मजबूर हैं।

बलोच लड़की की लाश को बोनट पर बांध कर घुमाया

बलूचिस्तान में पाक आर्मी की हैवानियत

बलूचिस्तान और पीओके में अपनी ही आवाम पर जुल्म ढा रही पाकिस्तानी सेना का एक और खौफनाक चेहरा सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में असीम मुनीर की सेना ने हमास के आतंकियों की तर्ज पर एक बेकसूर बलोच लड़की को गोलियों से भूनने के बाद, उसके शव को अपनी सैन्य गाड़ी के बोनट पर बांधकर पूरे शहर में घुमाया। अपने नागरिकों के दिलों में दहशत भरने के लिए मुनीर सेना अब आतंकवादी बन चुकी है।

मंदिर की 100 करोड़ की जमीन 2 करोड़ में हड़पने के मामले में एक्शन

तीन गिरफ्तार, जमीन की रजिस्ट्री को किया गया रद्द

● चेन्नई / (हि.स.)

तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के प्रसिद्ध पलनी मुरुगन मंदिर की जमीन को हड़पने की कोशिश के मामले की जांच कर रही सीबी-सीआईडी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए तीनों लोगों पर आरोप है कि तीनों ने मिलकर फर्जी पेपर्स की मदद से मंदिर की पार्किंग वाली जमीन, जिसकी आज की मार्केट वैल्यू लगभग 100 करोड़ है उसे महज 2 करोड़ में अपने नाम रजिस्टर करवा लिया था। अरेस्ट किए गए लोगों की पहचान 60 साल के वेल्लईथुरई जो तिरुपुर जिले के मडाथुकुलम तालुक के पप्पनकुलम से हैं। 65 साल के अनवरदीन जो डिंडीगुल जिले के पलनी तालुक के गौंडनकुलम, एसीसी रोड से हैं और 56 साल के मुरुगदास, जो विल्लुपुरम जिले के सलामेडु, कामराजर नगर सैकंड क्रॉस स्ट्रीट से हैं, के रूप में हुई है। सीबी-सीआईडी ने तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318 (4), 336 (3), 340 (2), 49 और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि घोटाला सामने आने के बाद तमिलनाडु सरकार ने इस रजिस्ट्री को रद्द करते हुए उस समय ड्यूटी पर तैनात सब रजिस्ट्रार जस्टिन मणिकंडन को सस्पेंड कर दिया था।

बाबा रामदेव बोले- फिल्मी सितारों को नहीं, माता-पिता, महापुरुषों को बनाएं रोल मॉडल

गुरु पूर्णिमा पर पतंजलि में भव्य समारोह, 111 कुण्डीय महायज्ञ,1176 विद्यार्थियों का उपनयन-वेदारंभ हुआ

● हरिद्वार / (एजेंसी)

पतंजलि फेज-दो योग भवन में दिव्य और भव्य तरीके से गुरु पूर्णिमा मनाया गया। इस दौरान पतंजलि योगपीठ पूरी तरह से गुरु-शिष्य परंपरा में डूबा रहा। यज्ञ, हवन से पूरा वातावरण बेहद भावमय हो गया था।

आवासीय विद्यालय आचार्यकुलम् में बुधवार को पावन पर्व पर वैदिक रीति से 1176 विद्यार्थियों का उपनयन व वेदारंभ संस्कार संपन्न हुआ। वहीं, पतंजलि फेज-दो के योग भवन में 111 कुण्डीय महायज्ञ का दिव्य आयोजन किया गया। जहां स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण से आशीष लेने के लिए हजारों शिष्य मौजूद रहें। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि कुछ मुर्ख गुरु-शिष्य परंपरा को गुरु की गुलामी कहते हैं जबकि खुद वो विलासिता में डूबे हुए हैं। स्वामी रामदेव ने कहा कि नायक और नायिका को अपना आदर्श, रोल मॉडल और आईकन मत मानो, अपने माता-पिता, दादा-दादी, नानी-नानी को रोल मॉडल मानो। वहीं, आचार्य बालकृष्ण ने गुरु-शिष्य परंपरा का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए स्वामी रामदेव से चरण छूकर आशीर्वाद लेकर कहा कि गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व सकारात्मकता व पुरुषार्थ का संवाहक है। गुरु के बताए पथ पर चलने वाला कभी गलत रास्तों पर नहीं जा सकता। पतंजलि फेज-दो योग भवन में स्वामी रामदेव ने कहा कि हमारी संस्कृति में गुरु को साक्षात ब्रह्मस्वरूप माना गया है।

थाईलैंड में पाकिस्तानी ने करवाया 3 भारतीय पर्यटकों का अपहरण

मांगी करोड़ों रुपए की फिरौती

बैंकॉक, आरएनएन। थाईलैंड में पांच भारतीय नागरिकों को अपने ही देश के तीन लोगों का अपहरण करने और उनकी रिहाई के लिए फिरौती मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पांच आरोपियों को मंगलवार को बैंकॉक के क्लोंग तान इलाके के एक होटल से गिरफ्तार किया गया, वे विदेश भागने की फिराक में थे। संदिग्धों की पहचान अवतार सिंह (38), जगजीत सिंह (38), रामबालक कुमार (24), सुखबीर सिंह (37) और कुलरा सिंह (27) के रूप में की गई है। आरोपियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि उन्हें एक पाक नागरिक ने तीन भारतीय पुरुषों (सभी पर्यटक) का अपहरण करने का निर्देश दिया था। उन्होंने बताया कि वे पाक नागरिक को जून माह से एक चैट एप्लिकेशन के माध्यम से जानते थे।

माना जा रहा है कि इस कथित षडयंत्रकर्ता का ठिकाना दुबई में है और उसने फिरौती की रकम क्रिप्टोकरेंसी'के रूप में हासिल करने की योजना बनाई थी। पुलिस ने मीडिया को बताया कि आरोपियों को यह काम पूरा करने के बाद थाईलैंड छोड़ने के लिए कीमती सामान, नकदी और हवाई टिकट देने का वादा किया गया था। खबर के अनुसार अपहरणकर्ताओं ने प्रत्येक पीड़ित के परिवार से 40 लाख रुपये (41,831 अमेरिकी डॉलर) की फिरौती मांगी थी।

एलएचएस का डीआरएम एवं विधायक ने किया निरीक्षण

30 सितंबर 2026 तक ओमनगर-चमनपुरा एलएचएस का कार्य पूरा होने का रखा लक्ष्य

● अहमदाबाद / (एजेंसी)

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के डीआरएम वेद प्रकाश एवं ठक्करबापा नगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक कंचनबेन विनुभाई रादड़िया ने बुधवार को संयुक्त रूप से असारवा-हिम्मतनगर रेलखंड के ओमनगर एवं चमनपुरा के मध्य स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या-3 पर निर्माणाधीन लिमिटेड हाइट सबवे (एलएचएस) का बुधवार सुबह 06.00 बजे निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अफसरों को निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अहमदाबाद दौरे के दौरान केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस अंडरब्रिज के निर्माण कार्य को आगामी नवरात्रि महोत्सव से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश भी दिए थे।

अल्जीरियाई संसद में चुनी गई पहली महिला अध्यक्ष

अलजीयर्स,(आरएनएन)। अल्जीरिया की संसद ने मंगलवार शाम एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अपने अध्यक्ष के रूप में एक महिला खालिदा बौफेदेचे को चुन लिया। इससे वह देश की चौथी सबसे उच्च पदस्थ अधिकारी बन गई हैं। पेशे से एलर्जी विशेषज्ञ और राजधानी अलजीयर्स का प्रतिनिधित्व करने वाली बौफेदेचे नेशनल लिबरेशन फ्रंट (एफएलएन) की सदस्य हैं। एफएलएन अल्जीरियाई स्वतंत्रता का ऐतिहासिक दल है और वर्तमान सरकार का सहयोगी है।

जापान में भूकंप के बाद 100 से अधिक झटके

● कुमामोटो सिटी / (एजेंसी)

युद्ध स्तर पर खोज बचाव अभियान शुरू

जापान के कुमामोटो प्रांत में आये शक्तिशाली भूकंप के बाद 100 से अधिक झटके दर्ज किये गये हैं और इस आपदा में 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद युद्ध स्तर पर खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। बचाव दल बुधवार को कुमामोटो में एक कागज कारखाने और एक शॉपिंग मॉल के मलबे में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं, जहां कई लोगों के दबे होने की आशंका है। यह अभियान लगभग 35 डिग्री से. तापमान के बीच चलाया जा रहा है, जिसको देखते हुए अधिकारियों ने बचाव कार्यकर्ताओं और जीवित बचे लोगों दोनों को लू से बचने की चेतावनी दी है। पीएम सानाए ताकाइची ने चल रहे बचाव अभियान को समय के खिलाफ दौड़ बताया और कहा कि 4,600 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है। दूसरी ओर, हजारों निवासी अब भी निकासी केंद्रों में शरण लिए हुए हैं और कई घर बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने निवासियों को और अधिक शक्तिशाली झटकों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी जारी की है।

रूस ने टेलीग्राम संस्थापक को इंटरनेशनल वॉन्टेड लिस्ट में डाला

मॉस्को, (आरएनएन)। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के संस्थापक पावेल डुरोव पर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। एजेंसी का कहना है कि टेलीग्राम ने ऐसा कंटेंट नहीं हटाया, जिसका इस्तेमाल रूस के भीतर तोड़फोड़, आतंकवादी गतिविधियों और साइबर धोखाधड़ी के संचालन के लिए किया गया। बुधवार को एफएसबी ने बताया कि पावेल डुरोव के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है।

आज का इतिहास

- 1836: अमेरिका के हवाई में अंग्रेजी भाषा का पहला अखबार प्रकाशित हुआ।
- 1882: सत्येंद्रनाथ बोस का जन्म। वह क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी थे।
- 1886: देश की पहली महिला विधायक और समाज सुधारक एस. मुथुलक्ष्मी रेड्डी का जन्म।
- 1771: थॉमस ग्रे का निधन। वह 18वीं शताब्दी के प्रसिद्ध अंग्रेजी कवियों में से एक थे।
- 1909: राइट बंधुओं ने सेना के लिए पहला विमान बनाया।
- 1930: एनबीसी रेडियो पर डेथ वैली डेज का पहला प्रसारण हुआ।
- 1932: यूएस के लॉस एंजिल्स में 10वें आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई।

एआई विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच में नहीं थी कोई खामी

अहमदाबाद हादसे पर केंद्र का खुलासा

● नई दिल्ली / (हि.स.)

अहमदाबाद एअर इंडिया विमान हादसे को एक साल से ज्यादा हो चुका है जिसमें 260 लोगों की मौत हुई थी। अब सरकार ने संसद में बताया है कि इस मामले की जांच अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। सरकार ने यह भी जानकारी दी है कि अब तक की जांच में विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच लॉकिंग मैकेनिज्म में कोई खराबी नहीं मिली है। हालांकि, विमान के थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल की विस्तृत जांच अभी अमेरिका के सिएटल में चल रही है और उसकी रिपोर्ट आना बाकी है।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में बताया कि एअरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की अंतिम रिपोर्ट में किसी तरह की देरी नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि बड़े विमान हादसों की जांच में कोई तय समय-सीमा नहीं होती और हर पहलू की गहन जांच की जाती है।

उनके मुताबिक, एअर इंडिया हादसे की जांच अब अंतिम चरण में है। हालांकि, सरकार ने अभी तक हादसे की वजह को लेकर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला है। सरकार का कहना है कि हर संभावित पहलू की जांच जारी है।

गुरु पूर्णिमा पर कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे का संदेश- शिक्षा के साथ एक हुनर सीखें, तभी मिलेगी सफलता

चित्रकूट, 29 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के साथ मनाया गया।

सीएमसीएलडीपी सभागार में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन तथा अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने की। अपने संबोधन में कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने विद्यार्थियों से कहा कि केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा के साथ किसी एक कौशल या हुनर में दक्षता हासिल करना भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि यही जीवन में सफलता का सबसे मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, असफलताओं से निराश न होने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि अभय महाजन ने कहा कि भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा केवल ज्ञान का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने युवाओं से सेवा, समर्पण और राष्ट्रभाव के साथ जीवन जीने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की शुरूआत नानाजी देशमुख और महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, वृक्षारोपण तथा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। छात्र-शिक्षक संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने गुरु-शिष्य परंपरा, समावेशी शिक्षा और छात्र विकास पर विचार प्रस्तुत किए।

उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, वहीं खेल विभाग के छात्र अजय दीप पाल और छात्रा गंगा देवी का भी अभिनंदन किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, अधिष्ठाता, कुलसचिव, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संपादकीय

निजी आजादी पर रोक क्यों

देश में गाहे-बगाहे असहमति के अधिकार और व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते? हाल-फिलहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि,देर-सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं। निस्संदेह, इस आलोक में देश की न्यायपालिका को भी, जो संवैधानिक अधिकारों की संरक्षक भी है, अपनी भूमिका की नये सिरे से समीक्षा करनी चाहिए। सिर्फ न्यायिक फैसलों से ही आजादी की रक्षा नहीं की जा सकती।

निर्विवाद रूप से प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपाय भी मायने रखते हैं क्योंकि प्रक्रिया खुद नागरिकों के जीवन पर असर डालती है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की न्यायिक जवाबदेही की मांग बहुत सही समय पर सामने आई है। निर्विवाद रूप से आलोचना से अदालतें कमजोर नहीं होती हैं वरन जब उसके फैसलों की खुलकर समीक्षा की जाती है तो वे और मजबूत होती हैं।

संस्थाओं में जनता का भरोसा उसकी कार्यशैली, तर्क और विनम्रता से ही आता है, न कि जांच-पड़ताल से बचने की प्रवृत्ति से। न्यायमूर्ति ने अपनी बात कहकर सार्वजनिक विमर्श के लिये इस मुद्दे को रख दिया है। अब देश के विभिन्न पक्षों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र तभी अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़ सकता है जब नागरिकों में वैचारिक आजादी की पर्याप्त जगह हो। जब किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक बेबाकी से अपने हित से जुड़े सवाल पूछ सकें और सत्ता के समक्ष निर्भीक होकर सच बोलने के लिये आजाद हों तो इससे सही अर्थों में लोकतंत्र की मूल भावनी पुष्ट ही होती है। देश के नीति-नियंताओं को भी न्यायमूर्ति के उद्गारों पर चिंतन-मनन करने की जरूरत है।

गुरु एक जागृत ईश्वर हैं

सच्चिदानंद वर्मा

गुरु पूर्णिमा आषाढ़ माह की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। योग परंपरा में इस दिन को उस अवसर के रूप में मनाया जाता है जब शिव पहले गुरु बने, क्योंकि उन्होंने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान देना शुरू कियाथा। यह दिन महान ऋषि वेद व्यास के जन्मदिवस और उनके द्वारा चारोंवेदों के संकलन के उपलक्ष्य में भी मनाया जाता है। उन्होंने महाभारत और पुराणों की रचना कर मानवता को ज्ञान का अनमोल खजाना दिया, इसीलिए उनके सम्मान में इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। गुरुपूर्णिमा गुरु के प्रति श्रद्धा, भक्ति,आदर और कृतज्ञता प्रकट करने कादिन है। यहां हम उन गुरुओं की बात कर रहे हैं जिन्होंने ईश्वर प्राप्त करलिया है तथा जो अपने शिष्यों को आत्मसाक्षात्कार का मार्ग दिखाते हैं। गुरु एक जागृत ईश्वर हैं, जो शिष्य के भीतर सुप्त ईश्वर को जगा रहा है। गुरु मौन ईश्वर की अभिव्यक्त वाणी हैं। गुरु गीता (श्लोक 17) गुरु की सही ढंग से व्याख्या करती है। अन्धकारहटाने वाला (गु, अन्धकार तथा रु, हटाने वाला)। एक सच्चा, ईश्वर प्राप्त गुरु वह होता है, जिसने सर्वव्यापी ब्रह्म के साथ एकरूपता प्राप्तकर ली है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए,एक श्लोक के अनुसार- यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु अर्थात जैसी भक्ति कीआवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु कीकृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है। गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥ अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा पद दिया गया है शास्त्र वाक्य में गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों- ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। संत कबीर कहते हैं-हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर॥ अर्थात भगवान के रूठने पर तो गुरू की शरण रक्षा कर सकती है किंतु गुरू के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना सम्भव नहीं है। अपने दूसरे दोहे में कबीरदास कहते है-सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार लोचनअनंत, अनंत दिखावण हार- अर्थात सद्गुरु की महिमा अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय-वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आँखों को ज्ञानचक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं अनंत तत्व ब्रह्मका दर्शन भी कराया है। आगे इसी प्रसंग में वे लिखते हैं। भली भई जुगुरमिल्या, नहीं तर होती हाँणि। दीपक दिष्टि पतंग ज्यूँ, पड़ता पूरी जाँणि।अर्थात अच्छा हुआ कि सद्गुरु मिल गए, वरना बड़ा अहित होता। जैसे सामान्य जन पतंगे के समान माया की चमक-दमक में पड़कर नष्ट होजाते हैं वैसे ही मेरा भी नाश हो जाता। जहां तक आध्यात्मिक गुरुओं की बात है, तो वे स्वयं ईश्वर के प्रतिनिधियों साक्षात ब्रह्म रूप होते हैं, उनके साथ कोई दैवीय पार्षद (दूत) जन्म लें, ऐसा आवश्यक नहीं है, लेकिन उनके सबसे प्रिय और अधिकारी शिष्य ही आगे चलकर उनके कार्यों (मिशन) को आगे बढ़ाते हैं। कई संत-परंपराओं में इन शिष्यों को ही उनके कार्य का विस्तारक माना गयाहै। प्राचीन काल में ही नहीं 19वीं शताब्दी में भी भारत में अनेक ऐसे महान संत हुए हैं जिन्होंने ईश्वर प्राप्ति की चाहत में लगे भक्तों को मार्ग दिखाए हैं। रामकृष्ण परमहंस, लाहिड़ी महाशय, स्वामी श्रीयुक्तेश्वर, महर्षिरमण, आनंदमयी मां, आचार्य रामचंद्र तथा परमहंस योगानंद ने न सिर्फ अनेक शिष्यों को ईश्वर से साक्षात्कार कराया बल्कि उनके द्वारा स्थापित संस्था आज भी साधकों का राह दिखा रही है। परमहंस योगानंद एक ऐसे ही सच्चे गुरु थे जो दिव्य गुरुओं की परम्परा से थे और जिन्होंने सम्पूर्ण विश्व में क्रियायोग मार्ग के ज्ञान का प्रसार करने के लिए वैज्ञानिक प्रविधि भी दी थी। पूरे विश्व में परमहंस योगानंद के अनुयायी हैं जो उनके बताए मार्ग राजयोग पर चल कर ईश्वरानुभूति में आनंदित हैं। उन्होंने पूरे संसार को ज्ञान का भंडार दिया है। उन्होंने अनेक पुस्तक वधर्मग्रंथों पर भाष्य लिखा है। ईश्वर प्राप्ति के इच्छुक भक्तों के लिए एकविशेष पाठ्यमाला भी है। परमहंस योगानंद ने भारत में योगदा सत्संगसोसायटी व अमेरिका में सेल्फ रियलाइजेशन फेलोशिप स्थापित कर अपने शिष्यों के लिए अनेक आश्रम व सेंटर खोल दिए थे। जहांआत्मसाक्षात्कार के लिए आतुर उनके अनेक शिष्य प्रशिक्षित हो रहे हैं योगानन्द ने कहा है कि एक औसत भक्त गुरु के बिना ईश्वर को प्राप्त नहीं कर सकता है। भक्त को गुरु-प्रदत्त ध्यान प्रविधियों के अभ्यास के माध्यम से 25 फीसदी प्रयास करना होगा, 25 फीसदी प्रयास गुरु के आशीर्वादों के माध्यम से होता है, और 50 फीसदी ईश्वर की कृपा के माध्यम से प्राप्त होता है। कोई व्यक्ति सच्चे गुरु को कैसे प्राप्त कर सकता है? ऐसा कहा जाता हैकि गुरु को हम नहीं खोजते हैं, अपितु स्वयं गुरु ही हमें खोज लेते हैं ऐसा माना जाता है कि यदि किसी श्रद्धावान् व्यक्ति की लालसा गहनऔर ईश्वर को जानने की तड़प अथक है, तो एक सच्चे गुरु स्वयं हीअपने शिष्य का मार्गदर्शन करने के लिए आते हैं। परमहंस योगानंद के अनुसार गुरु और शिष्य के बीच मित्रता शाश्वत होती है। जब कोई शिष्य गुरु के प्रशिक्षण को स्वीकार कर लेता है, तो उसमें पूर्ण समर्पण होता है,कोई बाध्यता नहीं होती। वे ईश्वर के साथ एकाकार होते हैं और उन्हें धरती पर ईश्वर के एक प्रतिनिधि के रूप में उपदेश देने की ईश्वरीय स्वीकृति प्राप्त होती है।

डीजल से हाइड्रोजन तक: पर्यावरण, अर्थशास्त्र और भारतीय रेलवे का बदलता स्वरूप

ओ.पी. पाल

भारतीय रेल को मात्र एक परिवहन प्रणाली कहना इसकी विशालता और प्रासंगिकता को सीमित करना होगा। यह भारत की जीवनरेखा, अर्थव्यवस्था की रीढ़ और सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का सबसे बड़ा सूत्रधार है। प्रतिदिन करोड़ों यात्रियों को उनकी मंजिलों तक पहुँचाने और लाखों टन माल की ढुलाई करने वाली भारतीय रेल आज एक ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रही है। परंपरागत डीजल इंजनों से शुरू हुआ यह सफर आज पूरी तरह विद्युतीकरण और अब स्वदेशी हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक तक पहुँच चुका है। हाल ही में 17 जुलाई, 2026 को भारत की पहली हाइड्रोजन चालित ट्रेन के व्यावसायिक परिचालन की शुरूआत ने न केवल देश के रेल इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ा है, बल्कि भारत को दुनिया के उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है जो शून्य-उत्सर्जन हरित परिवहन का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन केवल धातु और तकनीक का एक ढाँचा नहीं है, बल्कि यह भारत के आत्मनिर्भर संकल्प, वैज्ञानिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक है। इसके 1,200 किलोमीटर से अधिक का सफल सफर और हजारों लीटर डीजल की बचत यह साबित करती है कि भारत अब वैश्विक नवाचारों का केवल अनुसरण करने वाला देश नहीं रहा, बल्कि भविष्य की हरित तकनीकों का नेतृत्व करने में सक्षम एक महाशक्ति बन रहा है। जैसे-जैसे यह तकनीक परिपक्व होगी और देश भर के अन्य मार्गों पर इसका विस्तार होगा, भारतीय रेल न केवल देश की यात्रा को सुगम बनाएगी, बल्कि विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने में सबसे सशक्त माध्यम सिद्ध होगी।

वैश्विक क्लब में शामिल हुआ भारत

देश में पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू करके भारत अब हाइड्रोजन चालित रेल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया के जर्मनी, जापान, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे तकनीकी रूप से उन्नत देशों के विशिष्ट वैश्विक क्लब में आधिकारिक रूप से शामिल हो गया है। जहां जर्मनी ने विश्व की पहली व्यावसायिक हाइड्रोजन ट्रेन चलाई थी, वहीं भारत का ध्यान इस तकनीक को स्वदेशी शोध (आरडीएसओ) और स्थानीय विनिर्माण द्वारा अत्यंत किफायती बनाने पर केंद्रित है। भारत की इस सफलता से दक्षिण एशिया और अन्य विकासशील देशों के लिए भी कम लागत वाले स्वच्छ परिवहन का मार्ग प्रशस्त होगा। भारत में पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का पहला व्यावसायिक परिचालन हाल ही में उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल के अंतर्गत हरियाणा के जींदझसोनीपत मार्ग पर शुरू किया गया है। करीब 89 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर ट्रेन ने सफलतापूर्वक अपनी दैनिक यात्राएं शुरू की हैं।

इस पायलट प्रोजेक्ट की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि भारत अब जटिल तकनीकों के आयात पर निर्भर रहने के बजाय उन्हें स्वयं विकसित करने में सक्षम है। वैसे भी भारतीय रेल के विशाल नेटवर्क 68 हजार किमी से अधिक रूट के साथ दुनिया के चौथे सबसे बड़े रेल नेटवर्क में शुमार है, जहां प्रतिदिन 2.2 से 2.5 करोड़ यात्री ट्रेनों में यात्रा करते हैं। भारत में रेलवे ट्रेक का विद्युतीकरण ब्रॉड गेज नेटवर्क का 95 प्रतिशत से अधिक विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। आधुनिक युग के रेल नेटवर्क में सुरक्षा प्रणाली को लेकर भारतीय रेलवे स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली कवच का तेजी से कार्यान्वयन करने में जुटा है।

कैसे काम करती है यह तकनीक

हाइड्रोजन ट्रेन में परंपरागत इंजनों की तरह किसी भी ईंधन को जलाया नहीं जाता। इसके बजाय, ट्रेन में प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन (पीईएम) फ्यूल सेल लगे होते हैं। ट्रेन पर रखे सिलेंडर से मिलने वाली हाइड्रोजन गैस और हवा से ली गई ऑक्सीजन के बीच फ्यूल सेल के भीतर एक नियंत्रित रासायनिक अभिक्रिया होती है। इस अभिक्रिया से सीधे विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे ट्रेन की ट्रैक्शन मोटर चलती है। खासबात ये है कि इस पूरी प्रक्रिया का एकमात्र उप-उत्पाद जलवाष्प और ऊष्मा है। ट्रेन के टेलपाइप से धुआँ, कार्बन डाइऑक्साइड या नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी विषैली गैसें बिल्कुल नहीं निकलतीं। जहां तक इस ट्रेन की तकनीकी विशेषताओं की बात है उसकी कोच संरचना में 10 डिब्बों वाली एक आधुनिक ट्रेनसेट है, जिसके दोनों सिरों पर दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार लगी हैं। इस ट्रेन में 1,200 किलोवाट क्षमता के दो प्रोपल्शन सिस्टम लगे हैं जो कुल 2,400 किलोवाट की शक्ति पैदा करते हैं। हाइब्रिड ऊर्जा भंडारण के रुप में इसमें त्वरण और ब्रेक लगाते समय ऊर्जा को सहेजने के लिए इसमें उन्नत लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियाँ लगाई गई हैं।

यात्री क्षमता व बेहतर गति

यह ट्रेन लगभग 2,600 यात्रियों को एक साथ ले जाने में सक्षम है। इसकी डिजाइन स्पीड 110 किमी/घंटा है, जबकि फिलहाल इसे 75 किमी/घंटा की परिचालन गति पर चलाया जा रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सुरक्षा प्रणाली की दृष्टि से जींद का हाइड्रोजन प्लांट हाइड्रोजन ट्रेन को सुचारू रूप से चलाने के लिए केवल ट्रेन बनाना ही काफी नहीं था, बल्कि उसके लिए संपूर्ण ईकोसिस्टम विकसित करना आवश्यक था। जींद रिफ्यूलिंग व स्टोरेज फैसिलिटीभारतीय रेल ने हरियाणा के जींद में देश का पहला समर्पित हाइड्रोजन स्टोरेज और रिफ्यूलिंग प्लांट स्थापित किया है। जहां तक भंडारण क्षमता का सवाल है इस संयंत्र में लगभग 3,000 किलोग्राम कंप्रेस्ड ग्रीन हाइड्रोजन को सुरक्षित रखने की व्यवस्था है। इस बुनियादी ढाँचे को पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन द्वारा लाइसेंस प्राप्त है तथा जर्मनी की अंतरराष्ट्रीय एजेंसी द्वारा थर्ड-पार्टी सुरक्षा प्रमाणन दिया गया है।

बहुस्तरीय सुरक्षा उपाय की मिसाल

हाइड्रोजन एक अत्यधिक ज्वलनशील गैस है, इसलिए इसकी सुरक्षा के लिए उच्च स्तरीय ऑटोमेटेड सुरक्षा कवच तैयार किए गए हैं। सेंसर व लीक डिटेक्टरः ट्रेन और रिफ्यूलिंग प्लांट दोनों जगह हाइड्रोजन रिसाव, फ्लेम डिटेक्टर्स और स्मोक डिटेक्टर्स लगाए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति या तापमान में असामान्य वृद्धि का पता चलते ही स्वचालित शट-ऑफ सिस्टम ईंधन की आपूर्ति को तुरंत बंद कर देता है। इस ट्रेन के नियमित तकनीकी रखरखाव के लिए दिल्ली स्थित शकूरबस्ती में एक विशेष डिपो तैयार किया गया है।

पर्यावरण और अर्थशास्त्र का गणित?

डीजल और ईंधन की भारी बचत एक पारंपरिक डीजल मल्टीपल यूनिट (डेमू) ट्रेन अपने जीवनकाल में लाखों लीटर डीजल की खपत करती है। हाइड्रोजन ट्रेन के आने से अब प्रतिवर्ष 3,000 लीटर से अधिक डीजल की खपत में प्रतिदिन की बचत का मार्ग प्रशस्त हुआ है। वहीं कार्बन फुटप्रिंट में भारी कमी आई है, जो सीधे तौर पर भारत के पेरिस जलवायु समझौते और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के लक्ष्यों को पूरा करती है। वहीं गैर-विद्युतीकृत और हेरिटेज मार्गों का उद्धार की दृष्टि से रेलवे नेटवर्क के पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्र जैसे हिस्सों पर जहाँ बिजली की ओवरहेड तारें बिछाना भौगोलिक रूप से बेहद कठिन या खचीर्ला है, वहाँ हाइड्रोजन ट्रेनें सबसे मुफीद साबित होंगी। कालका-शिमला, दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, नीलगिरी माउंटेन रेलवे और माथेरान जैसे विश्व धरोहर रेलमार्गों पर भविष्य में ये ट्रेनें पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए पर्यटन को बढ़ावा देंगी।

रेलवे में आधुनिकता के नए आयाम

भारतीय रेलवे की अत्याधुनिक तकनीक के साथ देश में हाईस्पीड ट्रेनों के रुप में वंदे भारत से बुलेट ट्रेन तक का नेटवर्क तैयार कर चुका है और देश में वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों को विश्वस्तरीय स्पीड, आराम और सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इसी प्रकार अमृत भारत व नमो भारत जैसी परिवहन प्रणाली भी आम नागरिकों के लिए किफायती दरों पर पुश-पुल तकनीक आधारित अमृत भारत ट्रेनें और क्षेत्रीय त्वरित परिवहन के लिए नमो भारत नेटवर्क। इसके अलावा मालवाहक ट्रेनों के अलग से ट्रेक तैयार किये जा रहे हैं। मसलन देश में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पश्चिमी और पूर्वी फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से मालगाड़ियों की औसत गति दोगुनी हुई है और रसद लागत में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस रेलवे स्टेशन

भारतीय रेलवे की अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत देश में अब तक 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिक एयरपोर्ट-जैसी सुविधाओं के साथ कायाकल्प किया जा चुका है। हाइड्रोजन ट्रेन की परिकल्पना के तहत हरित रेलवे 2030 विजन में नेट-जीरो का संकल्प के साथ भारतीय रेल का लक्ष्य वर्ष 2030 तक शून्य शुद्ध कार्बन उत्सर्जक बनना है। इसके लिए केवल हाइड्रोजन ट्रेन ही नहीं, बल्कि बहुस्तरीय रणनीति अपनाई जा रही है। इसमें हेड-ऑन- सिस्टम के तहत ट्रेनों के डिब्बों में रोशनी और एयर कंडीशनिंग के लिए डीजल जनरेटर के बजाय सीधे लोकोमोटिव की ओवरहेड लाइन से बिजली ली जा रही है, जिससे सालाना 1,200 करोड़ रुपये की ईंधन बचत और कार्बनडाई आक्सीजन उत्सर्जन में भारी कमी आ रही है। इसी विजन के तहत शतप्रतिशत बायो-टॉयलेट और जीरो-डिस्चार्ज को लेकर ट्रेनों के कोचों में 2 लाख से अधिक बायो-टॉयलेट स्थापित कर पटरियों को स्वच्छ और जंग-मुक्त बनाया गया है। यही नहीं रेलवे की खाली पड़ी जमीनों का उपयोग करके 20 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र लगाने की महायोजना पर काम जारी है। इसी प्रकार वाटर रीसाइक्लिंग व ग्रीन सर्टिफिकेशन के तहत 700 से अधिक स्टेशनों पर वॉटर रीसाइक्लिंग प्लांट स्थापित किए गए हैं और 150 से अधिक प्रमुख स्टेशनों को आईजीबीसी द्वारा ग्रीन स्टेशन का दर्जा मिला है।

चुनौतियाँ और भविष्य की राह

यद्यपि यह एक क्रांतिकारी उपलब्धि है, किंतु इसके व्यापक विस्तार के मार्ग में कुछ चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं। मसलन ग्रीन हाइड्रोजन की उत्पादन लागत के हिसाब से वर्तमान में ग्रीन हाइड्रोजन का निर्माण डीजल या बिजली की तुलना में अधिक खचीर्ला है। हालांकि, भारत के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन से आने वाले वर्षों में इसकी लागत में तेजी से गिरावट आने की संभावना है। इसी प्रकार सघन भंडारण ढाँचे की दृष्टि से हाइड्रोजन को -253त्उ पर तरल रूप में या अत्यधिक उच्च दाब (350-700 बार) पर गैस रूप में रखना पड़ता है, जिसके लिए अत्यंत मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर आवश्यकता होती है। जबकि मांग और आपूर्ति श्रृंखला पर गौर करें तो पूरे देश में व्यापक स्तर पर हाइड्रोजन फिलिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए भारी ढांचागत पूंजी निवेश की आवश्यकता होगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

रिकॉर्ड एफडीआई ने बताया क्यों है दुनिया का भारत पर भरोसा !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर वर्षों से अनेक तरह के राजनीतिक आरोप लगाए जाते रहे हैं। कभी कहा जाता है कि विदेशी निवेशक भारत से दूर जा रहे हैं, कभी यह दावा किया जाता है कि सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण वैश्विक कंपनियों का भरोसा टूट रहा है, किंतु इन तमाम विपक्षी राजनीतिक दावों को संसद में प्रस्तुत ताजा आंकड़ों ने नकार दिया है। क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 94.84 अरब डॉलर के सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का नया रिकॉर्ड बनाया है। यह इस बात का प्रमाण है कि दुनिया के बड़े निवेशक भारत को भरोसेमंद और सबसे अधिक संभावनाओं वाले देशों में मान रहे हैं।

वस्तुतः राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा प्रस्तुत आंकड़े आज बताते हैं, वित्त वर्ष 2024-25 में जहां सकल एफडीआई 80.61 अरब डॉलर था, वहीं अगले ही वर्ष यह बढ़कर 94.84 अरब डॉलर हो गया। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेट एफडीआई भी 0.96 अरब डॉलर से बढ़कर 6.95 अरब डॉलर पहुंच गया है। इसका अर्थ यह है कि विदेशी निवेशकों का वास्तविक भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि नेट एफडीआई में पहले जो गिरावट दिखाई दी थी, उसका प्रमुख कारण निवेशकों द्वारा लाभ लेकर पूंजी वापस ले जाना और भारतीय कंपनियों का विदेशों में तेजी से निवेश करना था। अर्थात भारत से पूंजी का बाहर जाना आर्थिक कमजोरी न होकर यह भारतीय उद्योगों के वैश्विक विस्तार का संकेत है। मोदी सरकार के दौर में निवेश को किया प्रोत्साहित भारत ने वर्ष 2014 के बाद विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए व्यापक आर्थिक सुधार किए हैं। रक्षा और रेलवे का क्षेत्र हो या बीमा, नागरिक उड्डयन, कोयला अथवा अंतरिक्ष, दूरसंचार, ई-कॉमर्स, सिंगल-ब्रांड रिटेल और डिजिटल सेवाओं के साथ विनिर्माण जैसे अनेक क्षेत्र, इन सभी में एफडीआई नियमों को उदार बनाया गया।

इसके अलावा केंद्र की मोदी सरकार के मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, उत्पादन-संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, जीएसटी, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) और व्यापार सुगमता में सुधार जैसे अनेक कदमों ने भारत को निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाया।

कहना होगा कि केंद्र की भाजपा सरकार के कार्यकाल में भारत ने कई वर्षों तक 70 से 85 अरब डॉलर के बीच एफडीआई आकर्षित किया और अब 2025-26 में लगभग 95 अरब डॉलर का नया रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। वस्तुतः यह दशार्ता है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है।

किन देशों ने भारत पर सबसे अधिक भरोसा जताया?मोदी सरकार के दौरान भारत में आने वाले एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत लगातार सिंगापुर रहा है। इसके बाद मॉरीशस का स्थान आता है, जोकि लंबे समय से भारत में निवेश का प्रमुख माध्यम रहा है। इनके अतिरिक्त जिन देशों ने भारत में उल्लेखनीय निवेश किया है, उनमें अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण कोरिया, केमैन द्वीप समूह प्रमुख हैं।

हाल के वर्षों में यूएई के साथ हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के बाद वहां से निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। जापान ने औद्योगिक कॉरिडोर, मेट्रो रेल, ऑटोमोबाइल और हाई-टेक विनिर्माण में भारी निवेश किया है, जबकि अमेरिका की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत को अपने भविष्य के डिजिटल केंद्र के रूप में देख रही हैं।

केवल सेवाएं नहीं, अब विनिर्माण भी आकर्षण का केंद्रसंयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की नवीनतम विश्व निवेश रिपोर्ट बताती है कि भारत सेवा क्षेत्र तक सीमित निवेश गंतव्य से आगे बढ गया है। अब यहां इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, अक्षय ऊर्जा, रक्षा उत्पादन, ऑटोमोबाइल, लॉजिस्टिक्स और उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण में भी विदेशी कंपनियां तेजी से निवेश कर रही हैं। यही कारण है कि भारत ने वैश्विक एफडीआई रैंकिंग में दो स्थानों की छलांग लगाकर 13वें से 11वें स्थान पर पहुंचने में सफलता प्राप्त की। ग्रीनफील्ड निवेश में भी दुनिया का विश्वासवर्ष 2025 की सबसे बड़ी घोषित ग्रीनफील्ड परियोजना भारत में आई। अमेरिका की अल्फाबेट इंक ने लगभग 14.5 अरब डॉलर के डेटा सेंटर निवेश की घोषणा की। यह परियोजना निश्चित तौर पर भारत के डिजिटल भविष्य पर वैश्विक विश्वास का प्रतीक है। इसी प्रकार पोलैंड की हाइनफ्रा ने आंध्र प्रदेश में लगभग 4 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। हरित ऊर्जा, हाइड्रोजन और औद्योगिक अवसंरचना के क्षेत्र में ऐसे निवेश भारत को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार कर रहे हैं। भारतीय कंपनियां भी बन रही हैं वैश्विक खिलाड़ीमोदी सरकार ने आंकड़ों के आधार पर यह भी बताया है कि वर्ष 2022 में लागू उदार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई) नियमों के बाद भारतीय कंपनियां विदेशों में तेजी से विस्तार कर रही हैं। टाटा समूह, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी समूह, इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, सन फार्मा, महिंद्रा समूह और अन्य भारतीय कंपनियां विश्व के अनेक देशों में निवेश बढ़ा रही हैं। वस्तुतः यह प्रवृत्ति बताती है कि भारत अब विदेशी निवेश लेने, उसे आमंत्रित करने के साथ वैश्विक निवेश करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बन रहा है। निवेशक लाभ कमा रहे हैं, इसलिए लौट भी रहे हैंविपक्ष अक्सर विदेशी निवेशकों द्वारा पूंजी वापस ले जाने को भारत से विश्वास समाप्त होने का संकेत बताता है, जबकि आर्थिक दृष्टि से इसका दूसरा पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है। जब निवेशक अच्छा लाभ कमाते हैं तो वे अपने मुनाफे का एक हिस्सा वापस भी लेते हैं। यह किसी भी सफल निवेश गंतव्य की सामान्य प्रक्रिया होती है, इसलिए निवेश की वापसी इस बात का प्रमाण भी है कि भारत में निवेश लाभदायक रहा है। यदि निवेशकों को अपेक्षित प्रतिफल नहीं मिलता, तो वे नए निवेश की घोषणा नहीं करते, जबकि भारत में लगातार नई परियोजनाओं की घोषणा हो रही है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत, स्थिरता और विशाल बाजारविदेशी निवेशक केवल कर छूट देखकर निर्णय नहीं लेते। वे राजनीतिक स्थिरता, नीति की निरंतरता, कानून व्यवस्था, डिजिटल अवसंरचना, कुशल मानव संसाधन और विशाल उपभोक्ता बाजार को भी देखते हैं, इसलिए आज भारत निवेश आकर्षित करने में अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

आंकड़े बोलते हैं! लोकतंत्र में सरकार की नीतियों की आलोचना होना स्वाभाविक है, किंतु आर्थिक बहस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। संसद में प्रस्तुत रिकॉर्ड एफडीआई, संयुक्त राष्ट्र की विश्व निवेश रिपोर्ट, वैश्विक रैंकिंग में भारत की छलांग, ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में विश्व नेतृत्व और लगातार बढ़ता विदेशी विश्वास स्पष्ट संकेत देते हैं कि भारत आज दुनिया की सबसे आकर्षक निवेश अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। कहना यही होगा कि भारत में बढ़ता एफडीआई विकसित भारत की दिशा में बढ़ते विश्वास का सशक्त प्रमाण है। जब विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाएं और बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अरबों डॉलर निवेश कर रही हैं, तब यह स्वीकार करना होगा कि अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का विश्वास राजनीतिक आरोपों के सामने नहीं ठहरता, उन्हें आज केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों और भारत की बदलती आर्थिक क्षमता और स्थिर विकास यात्रा पर पूरा भरोसा है।

सावन : आस्था, प्रकृति और शिव भक्ति का पावन संगम

उदय कुमार सिंह

भारतीय सनातन संस्कृति में श्रावण मास, जिसे सामान्य रूप से सावन कहा जाता है, धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से वर्ष का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। वर्षा ऋतु के मध्य आने वाला यह महीना केवल प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि भक्ति, तप, संयम, लोकजीवन और सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि सावन का प्रत्येक दिन भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष फलदायी होता है। यही कारण है कि पूरे महीने देशभर के शिवालयों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, कांवड़ यात्रा, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रहती है।

सावन को पावस ऋतु का प्रमुख महीना भी कहा जाता है। इस दौरान वर्षा से धरती हरी-भरी हो जाती है, खेत-खलिहानों में नई जान आ जाती है और प्रकृति अपने सबसे सुंदर स्वरूप में दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति और अध्यात्म का गहरा संबंध माना गया है। इसलिए श्रावण मास को प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और ईश्वर के प्रति समर्पण का पर्व भी कहा जाता है।

30 जुलाई से प्रारंभ होगा श्रावण मासहिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई की रात 8 बजकर 5 मिनट से प्रारंभ होकर 30 जुलाई की रात 9 बजकर 30 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार श्रावण मास का आरंभ 30 जुलाई 2026 से होगा और इसका समापन 28 अगस्त 2026 को श्रावणी पूर्णिमा के साथ होगा। इस वर्ष सावन 31 दिनों का रहेगा।

श्रावण मास में कुल चार सावन सोमवार पड़ेंगे। पहला सावन सोमवार 3 अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त और चौथा 24 अगस्त को होगा। इन दिनों भगवान शिव के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत-पूजन का विशेष महत्व माना गया है। देशभर के प्रमुख शिवालयों में लाखों श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचेंगे। शास्त्रों में वर्णित है सावन का महत्व शास्त्रों में कहा गया है, श्रावणे मासि यो भक्त्या शिवलिंगं प्रपूजयेत। सर्वपापविनिर्मुक्तः शिवलोकं स गच्छति।। अर्थात जो श्रद्धापूर्वक श्रावण मास में शिवलिंग की पूजा करता है, वह समस्त पापों से मुक्त होकर अंततः शिवलोक को प्राप्त करता है।

शिव पुराण, स्कंद पुराण तथा लिंग पुराण में श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना के लिए सर्वोत्तम समय बताया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस महीने में किए गए जप, तप, व्रत, दान और ध्यान का फल कई गुना बढ़ जाता है। शिव पुराण के अनुसार श्रावण मास में शिवलिंग पर जल, गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं तथा साधक को विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

भगवान शिव का सर्वाधिक प्रिय माहपौराणिक कथाओं के अनुसार,

श्रावण मास भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक वर्षों तक कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने श्रावण मास में उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। तभी से यह महीना शिव-पार्वती के दिव्य मिलन और अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान शिव श्रावण मास में पृथ्वी लोक पर अपनी ससुराल आते हैं। उनके स्वागत में जलाभिषेक और विशेष पूजा की परंपरा प्रारंभ हुई, जो आज भी श्रद्धापूर्वक निभाई जाती है।

समुद्र मंथन और नीलकंठ की कथाश्रावण मास का संबंध समुद्र मंथन की कथा से भी जोड़ा जाता है। पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष से संपूर्ण सृष्टि संकट में पड़ गई थी। संसार की रक्षा के लिए भगवान शिव ने उस विष का पान कर उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला हो गया और तभी से वे नीलकंठ कहलाए। मान्यता है कि विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवी-देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तभी से श्रावण मास में शिवलिंग पर जल अर्पित करने की परंपरा विशेष रूप से प्रचलित हुई। सावन सोमवार का विशेष महत्वश्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को सावन सोमवार कहा जाता है। इन दिनों भगवान शिव के व्रत और पूजा का विशेष विधान है। विवाहित महिलाएं पति की दीघार्यु और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं, जबकि अविवाहित युवतियां मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करती हैं। श्रद्धालु प्रातःकाल स्नान के बाद शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं, रुद्राभिषेक कराते हैं तथा ॐ नमः शिवाय और महामृत्युंजय मंत्र का जप करते हैं। मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

रुद्राभिषेक और पूजन सामग्री का महत्वश्रावण मास में रुद्राभिषेक का भी विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु शिवलिंग का अभिषेक जल, गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर तथा गन्ने के रस से करते हैं। इसके बाद बेलपत्र, शमीपत्र, दूर्वा, कुश, धतूरा, भांग, आक के पुष्प तथा श्रीफल अर्पित किए जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। तीन पत्तियों वाला बेलपत्र शिव के त्रिनेत्र, त्रिगुण और त्रिदेव का प्रतीक माना जाता है। धतूरा, आक और भांग भी शिव पूजा में विशेष स्थान रखते हैं। मान्यता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक की गई पूजा से मानसिक शांति, आरोग्य, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। कांवड़ यात्रा : आस्था का विराट स्वरूपश्रावण मास का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन कांवड़ यात्रा मानी जाती है। देशभर से लाखों श्रद्धालु गंगोत्री, हरिद्वार, गौमुख, सुल्तानगंज, देवघर तथा अन्य पवित्र तीर्थों से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए शिवधामों तक पहुंचते हैं। पूरे मार्ग में बोल बम, हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहता है।

कांवड़ बांस की बनी विशेष बहंगी होती है, जिसके दोनों सिरों पर जल से भरे कलश रखे जाते हैं। श्रद्धालु पूरे नियम और अनुशासन के साथ यात्रा करते हैं तथा शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित करते हैं। पौराणिक मान्यता है कि सबसे पहले लंकापति रावण ने भगवान शिव को कांवड़ के माध्यम से जल अर्पित किया था।

14वें संस्करण का SAIMUN संपन्न

14 देशों के 650 से अधिक छात्र प्रतिनिधियों ने वैश्विक युवा कूटनीति को दी नई दिशा

भुवनेश्वर। रअक इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन रअक मॉडल यूनाइटेड नेशंस (SAIMUN) 2026 का 14वां संस्करण सफलता के साथ संपन्न हो गया। 24 एवं 25 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में 14 देशों के 650 से अधिक छात्र प्रतिनिधियों ने वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए युवा नेतृत्व, कूटनीतिक संवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का सशक्त संदेश दिया। वसुधैव कुटुम्बकम एक विश्व, एक परिवार की थीम पर आधारित इस सम्मेलन में लाइबेरिया, दक्षिण सूडान, युगांडा, इस्वातिनी, कैमरून, जिम्बाब्वे, नाइजीरिया, लीबिया, मेडागास्कर, सीरिया, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और भारत सहित 14 देशों का प्रतिनिधित्व रहा। इनमें 30 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ देशभर के 23 प्रतिष्ठित विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता कर सम्मेलन को बहुसांस्कृतिक स्वरूप प्रदान किया। सम्मेलन ने युवाओं को वैश्विक चुनौतियों पर संवाद, विविध दृष्टिकोणों की समझ और उत्तरदायी नेतृत्व विकसित करने का प्रभावी मंच उपलब्ध कराया।

सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त डॉ. एंड्रयू फ्लेमिंग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर रअक इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप की अध्यक्ष डॉ. सिल्पी साहू ने संस्थापक स्वर्गीय डॉ. बिजय कुमार साहू के दूरदर्शी शैक्षिक दृष्टिकोण को स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक तैयार करना है जो संवाद, सहयोग और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दें। मुख्य अतिथि डॉ. एंड्रयू फ्लेमिंग ने कहा कि आज के वैश्विक परिवेश में सफल नेतृत्व के लिए संवाद कौशल, सक्रिय रूप से सुनने की क्षमता और सहानुभूति सबसे महत्वपूर्ण गुण हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग की मजबूत नींव पारस्परिक सम्मान, तथ्यपरक विमर्श और विविध विचारों को स्वीकार करने की क्षमता पर आधारित होती है। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान प्रतिनिधियों ने 11 विभिन्न समितियों में वैश्विक और राष्ट्रीय महत्व के समसामयिक विषयों पर नीतिगत बहस, कूटनीतिक वार्ता और समाधान-केंद्रित चचाओं में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस बौद्धिक अभ्यास ने विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने के कौशल को नई दिशा प्रदान की।

सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए रअक्टवठ 2026 के अंतर्गत सहाया वृद्धाश्रम में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के तहत वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया गया।

इस पहल के माध्यम से प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण और मानवीय संवेदनाओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। उद्घाटन समारोह में उत्कृष्ट विद्यार्थियों को टॉप स्कोर अवॉर्ड्स 2026 तथा डॉ. बिजय कुमार साहू ग्लोबल एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 25 जुलाई को आयोजित समापन समारोह में प्रसिद्ध लेखक एवं प्रेरक वक्ता सुरेश श्रीनिवासन मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि SAIMUN युवाओं को जटिल वैश्विक परिस्थितियों को समझने, संवाद आधारित समाधान खोजने और उत्तरदायी वैश्विक नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि स्थायी प्रगति प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग और साझेदारी से संभव है। समापन अवसर पर डॉ. सिल्पी साहू ने कहा कि "SAIMUN केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, दृष्टिकोण और नेतृत्व क्षमता को नई दिशा देने वाला परिवर्तनकारी अनुभव है। उन्होंने प्रतिनिधियों द्वारा प्रदर्शित परिपक्वता, आत्मविश्वास और पारस्परिक सम्मान की सराहना करते हुए इसे सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।

समापन समारोह का प्रमुख आकर्षण SAIMUN ट्रिब्यून 2026 का विमोचन रहा। सम्मेलन के आधिकारिक समाचार-पत्र के रूप में प्रकाशित इस विशेष संस्करण में दो दिनों के विचार-विमर्श, गतिविधियों और उपलब्धियों को संजोया गया है, जो रअक्टवठ 2026 की बौद्धिक यात्रा का स्थायी दस्तावेज बनेगा। इस अवसर पर सभी 11 समितियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र प्रतिनिधियों तथा एक्जीक्यूटिव बोर्ड (EB) के सदस्यों को उनकी उत्कृष्ट कूटनीतिक क्षमता, नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। रअक्टवठ 2026 के सफल समापन के साथ रअक इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि यह सम्मेलन केवल शैक्षणिक गतिविधि नहीं, बल्कि वैश्विक दृष्टिकोण, युवा कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सशक्त बनाने वाला एक प्रभावशाली मंच है।

विविध संस्कृतियों और पृष्ठभूमियों से आए युवा प्रतिनिधियों को एक साथ लाकर यह सम्मेलन भविष्य के ऐसे नेतृत्व का निर्माण कर रहा है, जो अधिक शांतिपूर्ण, समावेशी और सहयोगपूर्ण विश्व के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

पॉपॉईज® ने मुंबई में पूरा किया एक साल

मुंबई। अमेरिका के लुइसियाना का प्रसिद्ध फ्राइड चिकन ब्रांड, पॉपॉईज® मुंबई में अपनी पहली वर्षगांठ मना रहा है। भारत के सबसे बड़े फूड मार्केट्स में से एक, मुंबई में कंपनी का यह पहला साल जबरदस्त ग्रोथ और ग्राहकों के बेहतरीन रिस्पॉन्स के नाम रहा। इस सफलता के बाद, ब्रांड अब अपने विस्तार के अगले चरण के लिए तैयार है। पॉपॉईज® भारत के पश्चिमी क्षेत्र में अपने रेस्टोरेंट की संख्या को दोगुना करने की योजना बना रहा है, ताकि लुइसियाना का यह खास स्वाद और अधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके। इससे पहले हाल ही में, जून 2026 में ब्रांड ने पुणे में 4 नए रेस्टोरेंट खोलकर अपनी शुरूआत की थी। बीते एक साल में मुंबई पॉपॉईज® की सफलता का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। ब्रांड अब तक यहाँ 1 लाख से अधिक ग्राहकों को अपना बोल्ड लुइसियाना फ्लेवर परोस चुका है। ग्राहकों का यह प्यार उनके रेस्टोरेंट की रेटिंग में भी दिखता है, जहाँ डाइन-इन रेटिंग लगातार 4.6+ बनी हुई है जोकि एक अनूठा डाइनिंग अनुभव प्रदान करने में ब्रांड की क्षमता को दिखाता है। मुंबई में अपनी पहली सालगिरह और ग्राहकों के मिले बेइंतहा प्यार का जश्न मनाने के लिए, पॉपॉईज® एक खास बोल्ड एनिवर्सरी ऑफर लेकर आया है। यह ऑफर 24 जुलाई से 16 अगस्त तक रहेगा और मुंबई के चुनिंदा रेस्टोरेंट में ग्राहक सिर्फ 399 रुपये में पॉपॉईज® चिकन के 14 पीस का आनंद ले सकते हैं। इस खास ऑफर के जरिए पुराने और नए दोनों ग्राहक पॉपॉईजळ्के सिग्नेचर चिकन का स्वाद ले सकते हैं, जिसे 12 घंटे तक मैरीनेट किया जाता है और इसमें खास काजुन फ्लेवर्स डाले जाते हैं। यह जश्न सिर्फ रेस्टोरेंट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शहर में एक शानदार एनिवर्सरी कैंपेन के जरिए मनाया जा रहा है। इसमें डिजिटल और सोशल मीडिया, क्रिएटर्स के साथ पार्टनरशिप, शहर भर में बड़े होर्डिंग्स, स्थानीय स्तर की गतिविधियां और इन-स्टोर अनुभव शामिल हैं। यह कैंपेन खासतौर पर जेन जी, कामकाजी युवाओं, परिवारों और खाने के शौकीनों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसका मकसद मुंबई के साथ ब्रांड के बनते रिश्ते का जश्न मनाना और पॉपॉईजळ्के खास स्वादिष्ट अनुभव को और आगे बढ़ाना है। इस मौके पर, पॉपॉईजळ् इंडिया के ईवीपी और चीफ बिजनेस ऑफिसर, विभोर गुप्ता ने कहा मुंबई ने भारत में पॉपॉईजळ्के सफर में एक बेहद अहम भूमिका निभाई है। पिछले एक साल में मुंबई के निवासियों ने हमारे ब्रांड को जिस प्यार और उत्साह के साथ अपनाया है, उसके लिए हम दिल से आभारी हैं। ग्राहकों के इसी भरोसे ने हमें बड़ा सोचने और इस मार्केट में और निवेश करने का हौसला दिया है। हम आने वाले 12 महीनों में पश्चिमी क्षेत्र में अपने रेस्टोरेंट की संख्या को दोगुना करने का वादा करते हैं, ताकि और अधिक लोगों तक लुइसियाना का यह खास स्वाद पहुँच सके। यह वर्षगांठ मुंबई में हमारे पहले मील के पत्थर का जश्न तो है ही, साथ ही यह हमारी आगे की जबरदस्त ग्रोथ की शुरूआत भी है।

दिल्ली प्रीमियर लीग सीजन-3 के लिए सभी आठों टीमों के कप्तान तैयार

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की ओर से आयोजित दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के तीसरे सीजन का रोमांच अब चरम पर पहुंच गया है। बुधवार को टूनार्मेंट से पहले आयोजित आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी आठ फ्रेंचाइजी के कप्तानों ने हिस्सा लिया और आगामी सीजन को लेकर अपना उत्साह व आत्मविश्वास व्यक्त किया। 31 जुलाई से अरुण जेटली स्टेडियम में शुरू होने वाला यह टी-20 टूनार्मेंट 30 अगस्त तक चलेगा। करीब एक महीने तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में दिल्ली के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। इस बार के खिलाड़ी नीलामी के बाद सभी टीमों ने संतुलित और मजबूत स्क्वॉड तैयार किया है। टूनार्मेंट का उद्घाटन मुकाबला 31 जुलाई को सेंट्रल दिल्ली किंग्स और पुरानी दिल्ली-6 के बीच खेला जाएगा, जबकि फाइनल मुकाबला 30 अगस्त को होगा। पुरानी दिल्ली-6 के नवनियुक्त कप्तान अनुज रावत ने कहा कि टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन संतुलन है। घरेलू दर्शकों के सामने सकारात्मक क्रिकेट खेलना और हर मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना टीम का लक्ष्य है।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के कप्तान आयुष बडोनी ने कहा कि इस बार सभी टीमें बेहद मजबूत नजर आ रही हैं। उनकी टीम ने अच्छी तैयारी की है और पूरे टूनार्मेंट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित है। गत विजेता वेस्ट दिल्ली लायंस के उपकप्तान आयुष दोसेजा ने कहा कि पिछली बार की सफलता से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन इस सीजन में सभी टीमों ने खुद को मजबूत किया है। ऐसे में खिताब बचाने के लिए टीम पूरी ताकत से मैदान में उतरेगी। आउटर दिल्ली वॉरियर्स के कप्तान सिद्धांत शर्मा ने कहा कि नीलामी के बाद से टीम का माहौल शानदार है और सभी खिलाड़ी योगदान देने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम अपने समर्थकों को गर्व महसूस कराएगी। सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान यश धुल ने कहा कि डीपीएल दिल्ली के खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच है। टीम का लक्ष्य निडर क्रिकेट खेलते हुए पूरे टूनार्मेंट में निरंतरता बनाए रखना है। ईस्ट दिल्ली राइडर्स के कप्तान मयंक रावत ने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी जोश से भरे हुए हैं और दिल्ली के बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के लिए तैयार हैं। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के कप्तान सार्थक रंजन ने कहा कि डीपीएल का स्तर हर साल और बेहतर हो रहा है। उनकी टीम अनुशासित और आक्रामक क्रिकेट के साथ शानदार शुरूआत करने के लिए तैयार है। नई दिल्ली टाइगर्स के कप्तान हिम्मत सिंह ने कहा कि डीपीएल देश की प्रमुख घरेलू टी-20 लीगों में शामिल हो चुकी है। सभी टीमें संतुलित हैं और इस बार दर्शकों को उच्च स्तरीय क्रिकेट देखने को मिलेगा। आठों कप्तानों के आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अब दिल्ली प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन का मंच पूरी तरह तैयार है। क्रिकेट प्रेमियों को 31 जुलाई से शुरू होने वाले इस टूनार्मेंट में पूरे एक महीने तक रोमांचक मुकाबलों का इंतजार रहेगा।

31 जुलाई से होगा रोमांचक आगाज
अरुण जेटली स्टेडियम में सेंट्रल दिल्ली किंग्स और पुरानी दिल्ली-6 के बीच उद्घाटन मुकाबला
30 अगस्त को खेला जाएगा फाइनल

फिल्म ओह माय डॉग टैक्स-फ्री के साथ स्कूल में दिखाई जानी चाहिए : मेनका गांधी

7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म ओह माय डॉग की रिलीज से पहले नई दिल्ली में फिल्म की एक विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिसमें पशु अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने विशेष रूप से शिरकत की। इस अवसर पर फिल्म के निर्देशक एवं निमार्ता अमित राय के साथ अभिनेता राजेश कुमार और पवन मल्होत्रा भी मौजूद रहे। मेनका गांधी ने फिल्म में इंसानों और कुत्तों के बीच के भावनात्मक रिश्ते को बेहद संवेदनशील और दिल को छू लेने वाले अंदाज में प्रस्तुत किए जाने की सराहना की। उन्होंने फिल्म के दयालुता, करुणा और सहानुभूति के संदेश की भी खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा यह फिल्म बेहद शानदार है। मैंने जितनी भी फिल्में देखी हैं उनमें यह सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक है। इसकी कहानी को बहुत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म हर स्कूल में दिखाई जानी चाहिए और इसे टैक्स-फ्री किया जाना चाहिए।

स्क्रीनिंग के दौरान फिल्म ओह माय डॉग की टीम ने साझा किया कि यह फिल्म केवल एक मनोरंजक पारिवारिक कहानी नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य दर्शकों को प्रेम, देखभाल और करुणा जैसे मानवीय मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म इंसानों और कुत्तों के बीच के असाधारण रिश्ते को समर्पित है और रोजमर्रा की ज़िंदगी में सहानुभूति के महत्व को रेखांकित करती है। फिल्म के निर्देशक अमित राय ने कहा दिल्ली में भारी बारिश के बावजूद मेनका जी फिल्म देखने आईं और उनके सराहना भरे शब्द हमारी पूरी टीम के लिए बेहद उत्साहवर्धक हैं। हमने 'ओह माय डॉग' को दयालुता और करुणा के सच्चे संदेश के साथ बनाया है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म देखने के बाद इन्हीं भावनाओं को अपने साथ लेकर जाएंगे। यह विशेष स्क्रीनिंग फिल्म के ट्रेलर को मिली जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद आयोजित की गई। ट्रेलर को उसकी भावनात्मक कहानी, दिल को छू लेने वाले प्रस्तुतिकरण और सार्थक संदेश के लिए दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया है। रिलीज से पहले फिल्म के निमार्ता व्यापक प्रचार अभियान के तहत देश के कई शहरों में दर्शकों से लगातार जुड़ रहे हैं। बाबूलाल बिस्कोप और थिंकिंग हैट्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले अमित राय, राजेश भारद्वाज और सना वारसी द्वारा निर्मित ओह माय डॉगऱ में माही राय, पंकज त्रिपाठी, गीता अग्रवाल शर्मा, राजेश कुमार, पवन मल्होत्रा, सुलाख्याना बरुआ, विजय मिश्रा, साथ ही कैनाइन स्टार्स ऑस्कर और ब्रूनो तथा 250 से अधिक कुत्ते अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही ओह माय डॉग हर उम्र के दर्शकों के लिए एक भावनात्मक, मनोरंजक और दिल को छू लेने वाला सिनेमाई अनुभव लेकर आने का वादा करती है।

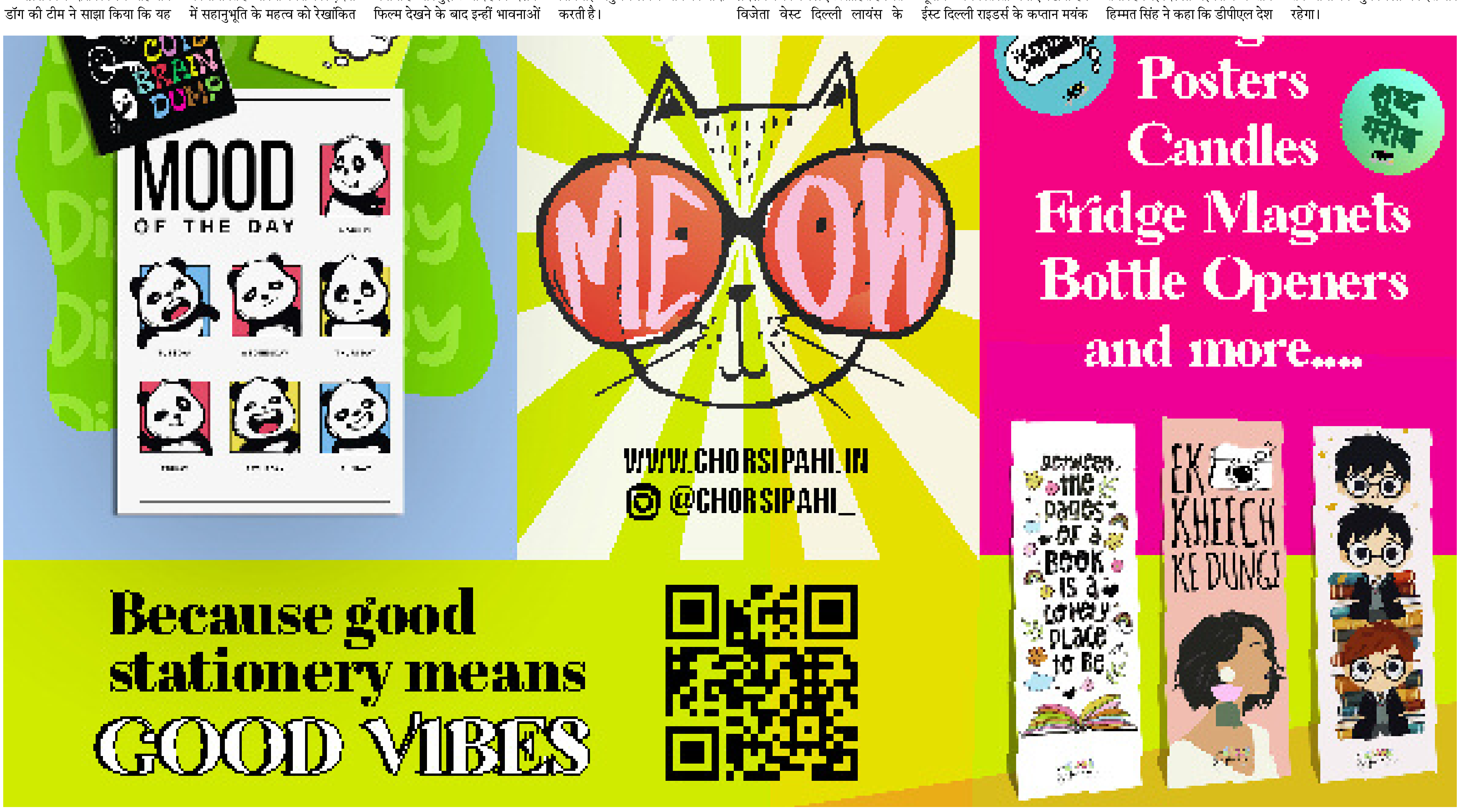

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY PERFORMANCE COMMITMENT
POWERING A BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1, New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

अडानी पोर्ट्स	3.19 प्रतिशत
एमएंडएम	1.51 प्रतिशत
पावरग्रिड	0.89 प्रतिशत
बीईएल	0.39 प्रतिशत
एनटीपीसी	0.09 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,330
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,24,770
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.14	94.07
पौड स्टर्लिंग	129.80	125.18
यूरो	111.00	106.84
चीन युआन	15.07	13.35

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

असम ने भूटान को डेयरी उत्पाद किया निर्यात

गुवाहाटी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। असम सरकार ने अपने डेयरी सेक्टर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। राज्य ने पहली बार किसी विदेशी देश को डेयरी उत्पादों का कमर्शियल एक्सपोर्ट किया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पड़ोसी देश भूटान के लिए

■ राज्य के डेयरी किसानों के लिए विदेशों में नए मार्केट के मौके खुलने की उम्मीद

'पुराबी प्रीमियम' आइसक्रीम की 5,627 लीटर की खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एपीईडीए) की मदद से किया गया यह एक्सपोर्ट, असम से डेयरी प्रोडक्ट्स का पहला इंटरनेशनल शिपमेंट है। इससे राज्य के डेयरी किसानों के लिए विदेशों में नए मार्केट के मौके खुलने की उम्मीद है।

वेस्ट असम मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड (डब्ल्यूएएमयूएल) के 'पुराबी डेयरी' ब्रांड के तहत तैयार इस खेप में बटरस्कॉच, चॉकलेट, चोको चिप्स, स्ट्रॉबेरी, मैंगो और वनीला जैसे फ्लेवर वाली प्रीमियम

आइसक्रीम शामिल हैं। इन प्रोडक्ट्स को भूटान के प्रमुख शहरों, थिम्पू, पारो और फुएंटशोलिंग, में बेचा जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि यह पहल असम के हजारों डेयरी किसानों को सीधे इंटरनेशनल मार्केट से जोड़ती है, क्योंकि आइसक्रीम बनाने में इस्तेमाल होने वाला दूध राज्य भर में पुराबी डेयरी के कोऑपरेटिव नेटवर्क से लिया जाता है। पुराबी प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग नॉर्थ ईस्ट डेयरी एंड फूड्स लिमिटेड (एनईडीएफएल) करती है।

जनता भवन में इस खेप को रवाना करने के बाद सीएम हिमंता बिस्वा शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि असम के डेयरी सेक्टर को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार की पिछले पांच सालों की लगातार कोशिशों की सफलता को दिखाती है। उन्होंने कहा कि असम अभी हर दिन लगभग 2.5 लाख लीटर दूध प्रोसेस करके कई तरह के डेयरी प्रोडक्ट्स बनाता है। उन्होंने भरोसा जताया कि भूटान को आइसक्रीम और दूसरे वैल्यू-एडेड डेयरी प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट रेगुलर होता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की पहलों और इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार की वजह से असम पहली बार इंटरनेशनल डेयरी मार्केट में कदम रख पाया है। पुराबी डेयरी के विस्तार में वर्ल्ड बैंक से फंडेड 'असम एग्रीबिजनेस एंड रूरल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट ने मदद की है।

भारत ने पहली तिमाही में लगभग 10 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्मार्टफोन का किया निर्यात

नई दिल्ली। भारत ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में स्मार्टफोन निर्यात के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही के दौरान देश का स्मार्टफोन निर्यात लगभग 10 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सबसे बड़ा योगदान एप्पल आईफोन की शिपमेंट का रहा। अप्रैल-जून अवधि के दौरान मूल्य के आधार पर स्मार्टफोन निर्यात 23.4 प्रतिशत बढ़कर 9.84 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.97 अरब डॉलर था। इस दौरान भारत से निर्यात होने वाले स्मार्टफोन के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार बना रहा, जहां भारत में निर्मित डिवाइसों की मजबूत मांग देखने को मिली। स्मार्टफोन निर्यात के शानदार प्रदर्शन का असर देश के कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पर भी पड़ा। अप्रैल-जून अवधि में कुल 15.2 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के निर्यात में अकेले स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 64.8 प्रतिशत रही। भारत की निर्यात बास्केट में स्मार्टफोन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में 'मेड इन इंडिया' स्मार्टफोन की शिपमेंट में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निर्यात में 28 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। देश में निर्मित कुल स्मार्टफोन में से लगभग एक-तिहाई स्मार्टफोन निर्यात किए गए। इस वृद्धि में एप्पल के मैन्युफैक्चरिंग साझेदार सबसे बड़े योगदानकर्ता रहे।

एलआईसी ने वित्त मंत्री को दिया 12,207 करोड़ का डिविडेंड चेक

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी ने बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 12,207 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक दिया।

वित्त मंत्री को यह चेक लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) के एमडी एंड सीईओ, आर. दोराईस्वामी की ओर से दिया गया। इसके अलावा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एमडी एवं सीईओ आशीष पांडे से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2,853 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक प्राप्त किया। साथ ही, उन्होंने न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गिरिजा सुब्रमणियन से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 211 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक भी प्राप्त किया।

वित्त मंत्री की एक्स पोस्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की एसेट क्वालिटी में मजबूत सुधार हुआ। ग्रॉस एनपीए घटकर रिकॉर्ड निचले स्तर 1.9 प्रतिशत पर आ गया है, जबकि शुद्ध मुनाफा बढ़कर अब तक के सर्वाधिक 1.98 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

इम्पैक्टमिंट्स ने रणवीर सिंह को भारत में अपना पहला ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जर्मनी के मशहूर मिंट ब्रांड इम्पैक्टमिंट्स ने आज बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को भारत में अपना पहला नेशनल ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की। यह इम्पैक्टमिंट्स के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो आज भारत के सबसे पसंदीदा मिंट ब्रांड्स में से एक बन चुका है। रणवीर सिंह अपने शानदार अभिनय और जोशीले अंदाज़ के लिए जाने जाते हैं। उनका उत्साह और लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता उन्हें इस ब्रांड के लिए बिल्कुल सही बनाती है। यह साझेदारी ब्रांड की युवा और बेबाक सोच को दर्शाती है और लोगों को हर दिन तरोताज़ा और आत्मविश्वास से भरा महसूस कराने के उसके वादे को मजबूत करती है। इस साझेदारी के मौके पर इम्पैक्टमिंट्स ने रणवीर सिंह को लेकर एक नया ऐड फिल्म भी जारी किया है।

भारत में इम्पैक्टमिंट्स बनाने वाली कंपनी डुगर ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर आयुष दुगर ने कहा, आज इम्पैक्टमिंट्स भारत के सबसे लोकप्रिय मिंट ब्रांड्स में से एक है। लोगों ने हमें कई सालों से बहुत प्यार दिया है। जब हमने अपना पहला ब्रांड एंबेसडर चुनने का फैसला किया, तो हमें तुरंत लगा कि रणवीर सिंह हमारे ब्रांड के लिए बिल्कुल सही हैं।

कैरोल वू, इम्पैक्टमिंट्स मैनेजिंग डायरेक्टर एपीएसी, सैनोटैक्ट जीएमबीएच ने बताया कि, भारतीय लोगों ने इम्पैक्टमिंट्स को बहुत प्यार दिया है। लोगों ने जिस तरह इस ब्रांड को अपनाया, उससे हम बहुत खुश हैं।

पिछले 10 सालों में रेल दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत की कमी आई : सरकार

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि भारतीय रेलवे में सुरक्षा में काफी सुधार हुआ है। ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या 2014-15 में 135 से घटकर 2025-26 में 16 हो गई है, और चालू वर्ष में जून तक केवल दो दुर्घटनाएं हुई हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 'कॉन्सिक्वेंशियल एक्सीडेंट इंडेक्स' (प्रति मिलियन ट्रेन-किलोमीटर दुर्घटनाएं) 2014-15 में 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 हो गया है, जो लगभग 91 प्रतिशत की कमी है।

रेल मंत्रालय के बयान में उन कई उपायों और निवेशों का जिक्र किया गया, जिनसे ट्रेन संचालन में

सुरक्षा बेहतर हुई है। सुरक्षा से जुड़े कामों पर खर्च लगातार बढ़ा है। यह 2013-14 में 39,200 करोड़ रुपए से बढ़कर 2026-27 में 1,20,389 करोड़ रुपए हो गया है। 6,671 स्टेशनों पर सेंट्रलाइज्ड ऑपरेशन वाले इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाए गए हैं और इन सभी स्टेशनों पर पूरी तरह से ट्रैक सर्किटिंग की सुविधा दी गई है। सुरक्षा बढ़ाने के लिए 10,395

■ चालू वर्ष में जून तक केवल दो दुर्घटनाएं हुई

लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेट्स पर इंटरलॉकिंग की सुविधा दी गई है। बयान में आगे कहा गया है कि सभी लोकोमोटिव में विजिलेंस कंट्रोल डिवाइस लगे हैं, और कोहरे वाले इलाकों में लोको पायलटों को जीपीएस-बेस्ड फॉग सेफ्टी डिवाइस दिए गए हैं। जब कोहरे के मौसम में विजिबिलिटी कम होती है, तो क्रू को आगे के सिग्नल के बारे में अलर्ट करने के लिए इलेक्ट्रिफाइड इलाकों में सिग्नल से दो ओएचई मास्ट पहले मास्ट पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव सिग्मा बोर्ड दिए गए हैं।

सार संक्षेप

एशियन पेंट्स का मुनाफा 40 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। पेंट बनाने वाली दिग्गज कंपनी एशियन पेंट्स को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 1,539 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है जो एक साल पहले की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशक मंडल की बुधवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी गई। इसके अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की कुल बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 10,521 करोड़ रुपए हो गई। उसका परिचालन लाभ 2,169 करोड़ रुपए दर्ज किया गया जो 34 प्रतिशत अधिक है। मुनाफा बढ़ने का मुख्य कारण पश्चिम एशिया संकट के कारण तैयार माल की इनवेंटरी के दाम बढ़ना रहा। इससे कंपनी को 598 करोड़ रुपए का फायदा हुआ जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इस मद में 201 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। हालांकि कच्चे माल की लागत भी 4,004 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,449 करोड़ रुपए पर पहुंच गई।

केपीआईटी टेक्नोलॉजीज का पहली तिमाही में मुनाफा घटा

मुंबई। आईटी कंपनी केपीआईटी टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कमजोर वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का समेकित (कंसोलिडेटेड) शुद्ध लाभ, राजस्व और परिचालन मार्जिन तिमाही आधार पर घटे हैं। कंपनी ने इसके लिए अपने कुछ बड़े ग्राहकों पर बने व्यावसायिक दबाव को प्रमुख कारण बताया है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी के अनुसार, जून 2026 में समाप्त तिमाही में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ 28.1 प्रतिशत घटकर 117 करोड़ रुपए रह गया, जो इससे पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में 163 करोड़ रुपए था। कंपनी का परिचालन से राजस्व भी तिमाही आधार पर 2.1 प्रतिशत घटकर 1,675 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछली तिमाही में यह 1,711 करोड़ रुपए था। परिचालन प्रदर्शन में भी नरमी देखने को मिली।

सरकार की भारत टैक्सी पहल से 7.97 लाख 'सारथी' जुड़े

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की भारत टैक्सी पहल के तहत देश भर में अब तक 7.97 लाख ड्राइवर-पार्टनर (सारथी) प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं। यह जानकारी सरकार ने बुधवार को संसद में दी। गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि 19 जुलाई तक दिल्ली-एनसीआर में सबसे अधिक 2.55 लाख सारथी इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं। इसके अलावा, गुजरात में 1.01 लाख और महाराष्ट्र में 71,095 सारथी पंजीकृत हैं। भारत टैक्सी एक सहकारी मॉडल पर आधारित डिजिटल ऐप मोबिलिटी प्लेटफॉर्म है, जिसका संचालन सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड (एसटीसीएल) द्वारा किया जा रहा है। फिलहाल इसकी शुरुआत दिल्ली-एनसीआर, गुजरात और महाराष्ट्र में की गई है। सरकार ने बताया कि अन्य राज्यों और शहरों में भारत टैक्सी सेवा का विस्तार संचालन संबंधी आवश्यकताओं और जरूरी मंजूरियों के आधार पर किया जाएगा।

लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में तेजी

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। चौतरफा लिवाली के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 889 अंक ऊपर बंद हुआ। सेंसेक्स की शुरुआत 658 अंक की शुरुआत के साथ 77,424 अंक पर हुई और दिन भर यह मजबूत रहा। एक समय यह 1,000 अंक चढ़ गया था। अंत में 888.68 अंक (1.16 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 77,654.60 अंक पर पहुंच बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 264.85 अंक यानी 1.1 प्रतिशत ऊपर 24,250.20 अंक पर बंद हुआ। वृहत बाजार में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.63 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.48 प्रतिशत ऊपर बंद हुए। रियल्टी और ऑटो को छोड़कर सभी सेक्टरों में तेजी रही। निफ्टी आईटी सूचकांक 2.32 फीसदी और निफ्टी मेटल 2.31 फीसदी चढ़ गए। एफएमसीजी, वित्त, मीडिया, फार्मा और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक मजबूत हुए।

एनएसई में जिन 3,441 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,129 के शेयर हरे निशान में और 1,181 के लाल निशान में रहे। अन्य 131 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अपरिवर्तित रहे।

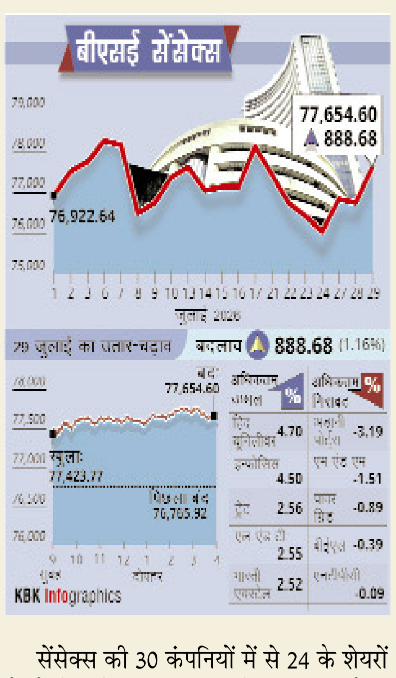

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयरों में तेजी रही। हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 4.70 प्रतिशत चढ़ गया। इंफोसिस में 4.50 प्रतिशत, ट्रेंट में 2.56 प्रतिशत, एलएंडटी में 2.55 और टाटा स्टील तथा भारती एयरटेल दोनों में 2.52 प्रतिशत की तेजी रही।

टीसीएस का शेयर 1.99 प्रतिशत, एचसीएल

■ सेंसेक्स 1.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,654.60 अंक पर रहा
■ निफ्टी 1.1 प्रतिशत ऊपर 24,250.20 अंक पर रहा
■ रियल्टी व ऑटो को छोड़कर सभी सेक्टरों में रही तेजी

टेक्नोलॉजीज का 1.86, एचडीएफसी बैंक का 1.74, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.27, इटरनल का 1.22, एक्सिस बैंक का 1.03 मारुति सुजुकी का एक प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सनफार्मा, टेक महिंद्रा, आईटीसी और बजाज फाइनेंस के शेयर भी ऊपर रहे।

अडानी पोर्ट्स 3.19 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.51 प्रतिशत के नुकसान में रही। पावरग्रिड और बीईएल के शेयर भी नीचे बंद हुए। वैश्विक स्तर पर एशिया में हांगकांग का हैंग सेंग 1.96 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.40 प्रतिशत की बढ़त में रहे। जापान का निक्केई 1.49 फीसदी टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.03 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.08 प्रतिशत ऊपर था।

इंडस्ट्री ऑक्शन हब ने लॉन्च किया BwB डिजिटल मार्केटप्लेस

नई दिल्ली/नोएडा 29 जुलाई (एजेंसियां) नोएडा स्थित इंडस्ट्री ऑक्शन हब प्राइवेट लिमिटेड (IAH) ने औद्योगिक कमोडिटीज़, स्क्रैप और निष्क्रिय औद्योगिक परिसंपत्तियों के लिए एक अत्याधुनिक BwB डिजिटल मार्केटप्लेस की शुरुआत की है। industryauctionhub.com के माध्यम से संचालित यह प्लेटफॉर्म औद्योगिक सामग्री के कारोबार को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और तकनीक-संचालित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। फिलहाल इसकी सेवाओं की शुरुआत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) से की गई है। देश में औद्योगिक स्क्रैप और सेकेंडरी मैटेरियल्स का बड़ा हिस्सा आज भी असंगठित बिचौलिया-आधारित व्यवस्था के जरिए कारोबार में आता है, जिसके कारण मूल्य निर्धारण, गुणवत्ता और पारदर्शिता जैसी अनेक चुनौतियाँ बनी रहती हैं। इंडस्ट्री ऑक्शन हब इसी व्यवस्था को तकनीक के माध्यम से संगठित करने का प्रयास कर रहा है, ताकि खरीदार और विक्रेता सीधे एक विश्वसनीय मंच पर जुड़ सकें और पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी व भरोसेमंद बन सके। यह पहल भारत की सर्कुलर इकोनॉमी को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कई उद्योगों में उपयोग योग्य सामग्री उचित मंच के अभाव में या तो कम कीमत पर बिक जाती है या लंबे समय तक अनुपयोगी पड़ी रहती है। ऐसे में यह प्लेटफॉर्म न केवल औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को अधिक संगठित बनाएगा बल्कि उद्योगों को कच्चे माल की लागत कम करने में भी मदद करेगा। ऐसे समय में इसकी शुरुआत हुई है जब अनुमान है कि वित्त वर्ष 2030 तक भारत में स्क्रैप की मांग 6.18 करोड़ टन तक पहुँच जाएगी, जबकि घरेलू उपलब्धता लगभग 4.67 करोड़ टन रहने की संभावना है। इससे देश में 1.3 से 1.5 करोड़ टन तक स्क्रैप की कमी का अनुमान लगाया जा रहा है।

सरकार समर्थित इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट फंड ने जुटाया 1,335.77 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट फंड (ईडीएफ) ने इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र से जुड़ी 128 स्टार्टअप और कंपनियों में 1,335.77 करोड़ रुपए का निवेश जुटाने में अहम भूमिका निभाई है। यह जानकारी बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

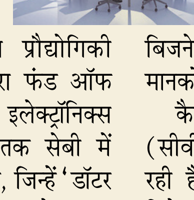

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा फंड ऑफ फंड्स के रूप में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट फंड ने 30 जून तक सेबी में पंजीकृत 8 वेंचर कैपिटल फंड्स, जिन्हें 'डॉटर फंड्स' कहा जाता है, में 257.77 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

इन डॉटर फंड्स' ने आगे चलकर 128 स्टार्टअप और कंपनियों में 1,335.77 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी क्षेत्र में नवाचार, स्वदेशी तकनीक के विकास और बौद्धिक संपदा (आईपी) के सृजन को बढ़ावा देना है।

सरकार के अनुसार, निवेश के लिए स्टार्टअप्स का चयन उनकी नवाचार क्षमता, स्वदेशी तकनीक विकसित करने की योग्यता, बौद्धिक संपदा सृजन की संभावना, संस्थापक टीम की तकनीकी विशेषज्ञता और बिजनेस मॉडल की विस्तार क्षमता जैसे मानकों के आधार पर किया गया।

कैनबैंक वेंचर कैपिटल फंड्स लिमिटेड (सीवीसीएफएल) इस फंड का प्रबंधन कर रही है, जबकि एमईआईटीवाई इसमें एंकर निवेशक की भूमिका निभा रहा है। सरकार द्वारा समर्थित 128 कंपनियों में से 77 कंपनियां ईएसडीएम क्षेत्र में और 51 कंपनियां आईटी क्षेत्र में काम कर रही हैं।

संस्कृति-आधारित यात्रा बनी भारतीयों की पहली पसंद : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय यात्री अब दर्शनीय स्थलों की सैर से इतर स्थानीय विरासत, परंपराओं, खानपान, त्योहारों और समाज को करीब से जानने के लिए यात्रा पर जाना अधिक पसंद कर रहे हैं।

वैश्विक ट्रैवल ऐप स्काईस्कैनर ने 'द इंडिया कल्चर ट्रैवल इंडेक्स' नामक नयी रिपोर्ट में कहा है कि देश में संस्कृति-आधारित पर्यटन की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट तैयार करने के लिए कराए गए सर्वेक्षण में 84 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे संस्कृति आधारित यात्रा करना चाहते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, विरासत और ऐतिहासिक स्थल संस्कृति-आधारित यात्रा के सबसे बड़े आकर्षण बने हुए हैं। सैंतालीस प्रतिशत भारतीय यात्रियों ने कहा कि वे अपनी यात्रा की योजना ऐतिहासिक और विरासत स्थलों के आधार पर बनाना पसंद करेंगे। केरल, राजस्थान और उत्तराखंड देश के प्रमुख

सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों में शामिल हैं, जो देश की स्थापत्य कला, ऐतिहासिक समुदायों और जीवंत परंपराओं के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाते हैं।

विरासत पर्यटन की विशेषज्ञ नविना जाफा ने विरासत पर्यटन के लिए पूरा पारितंत्र तैयार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोग जब

■ केरल, राजस्थान व उत्तराखंड देश के प्रमुख सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों में शामिल

तक स्थानीय परंपराओं और आयोजनों से खुद को नहीं जोड़ पायेंगे तब तक वे उसकी सच्ची अनुभूति नहीं कर पाएंगे। हर व्यक्ति का एक सपना होता है और पर्यटन उसे उसके सपने को जीने का मौका होना चाहिए। उन्होंने देश के पर्यटन स्थलों पर शौचालय और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को ठहरने के लिए एक साफ बिस्तर और उससे भी साफ शौचालय चाहिए।

प्रतिभागियों में 46 प्रतिशत ने बताया कि वे पहले ही किसी सांस्कृतिक आयोजन, त्योहार या विरासत यात्रा के लिए विदेश जा चुके हैं, जबकि 43 प्रतिशत भविष्य में ऐसा करने की इच्छा रखते हैं।

बरसात में रहना है सेहतमंद? तो रोजमर्रा की छोटी आदतों से करें संक्रमण का बचाव

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। चिलचिलाती गर्मी से राहत दिलाने के साथ-साथ मानसून अपने साथ प्रकृति की हरी-भरी सुंदरता भी लेकर आता है लेकिन इसके आगमन से कई तरह के मौसमी संक्रमण और बीमारियां भी पनपती हैं। उमस और नमी के दौर में सतर्कता और स्वच्छता सबसे बड़ा सुरक्षा कवच बनता है।

रोजमर्रा की जिंदगी में अगर व्यक्ति छोटी-मोटी और आसान आदतों का ध्यान दे, तो वह न सिर्फ अपने परिवार को सुरक्षित रख सकता है बल्कि पूरे मानसून में खुद ऊर्जावान और स्वस्थ भी बना रह सकता है।

'स्वस्थ मानसून (बरसात) की शुरुआत अच्छी स्वच्छता की आदतों से होती है। रोजमर्रा की छोटी-छोटी सावधानियां आपको मौसम में होने वाले संक्रमणों से बचाने और आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में बड़ी मदद कर सकती हैं।

इसी को देखते हुए आयुष मंत्रालय ने हेल्थ एडवाइजरी जारी की, जिसमें उन्होंने मानसून में कुछ सावधानियों पर जोर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'स्वस्थ मानसून (बरसात) की शुरुआत अच्छी स्वच्छता की आदतों से होती है। रोजमर्रा की छोटी-छोटी सावधानियां आपको मौसम में होने वाले संक्रमणों से बचाने और आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में बड़ी मदद कर सकती हैं।'

आयुष मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में सबसे पहले उन्होंने नियमित रूप से हाथ धोने पर जोर दिया है। उनके अनुसार, नियमित रूप से हाथ धोना काफी नहीं है बल्कि सही तरीके से हाथ धोना जरूरी है। इसके लिए 'सुमन-के' तरीके से हाथ धोने के लिए बताया जाता है, जिसमें एस (सीधा), यू (उल्टा), एम (मुट्ठी), ए (अंगूठा), एन (नाखून) और के (कलाई) के छह चरण शामिल होते हैं। यह विधि हाथों को पूरी तरह साफ करके कीटाणुओं और बीमारियों से बचाने में मदद करता है। बारिश में भीगने के बाद गीले कपड़े तुरंत बदल लेने चाहिए ताकि त्वचा पर नमी न बढ़े। ऐसा करने से स्किन पर खुजली, रैशेज और फंगल इंफेक्शन से बचा जा सकता है। इसलिए बरसात में कोशिश करें कि न भीगें और अगर ऐसा हो भी गया, तो फौरन कपड़े बदल लें। बारिश के मौसम में रोजाना पैरों को साफ और सूखे मोजे पहनने की कोशिश करें। क्योंकि लंबे समय तक गीले जूते या मोजे पहनने से फंगल संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

तरीके से हाथ धोने के लिए बताया जाता है, जिसमें एस (सीधा), यू (उल्टा), एम (मुट्ठी), ए (अंगूठा), एन (नाखून) और के (कलाई) के छह चरण शामिल होते हैं। यह विधि हाथों को पूरी तरह साफ करके कीटाणुओं और बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

अपने आसपास की जगह को साफ रखें और बारिश के मौसम में पानी जमा न होने दें। ऐसा करने से घर में मच्छरों को पनपने से रोका जा सकता है। वहीं, कमरों में पर्याप्त हवा का आवागमन बनाए रखें।

अगर बारिश के मौसम में किसी भी तरह के स्किन इंफेक्शन, उल्टी और तेज बुखार जैसी शारीरिक समस्या हो, तो एक बार डॉक्टर की सलाह लें। खुद दवा लेने की गलती बिल्कुल भी न करें।

बालों के झड़ने से है परेशान, जानें तेल लगाने का सही समय और तरीका

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बालों की देखभाल को लेकर लोगों की अपनी-अपनी राय हैं। कोई बालों में घंटों तेल लगाकर रखने को सबसे अच्छा तरीका मानता है, तो कोई जल्दी-जल्दी तेल लगाकर धो लेना पसंद करता है। लोग बालों को मजबूत बनाने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। इन्हीं उपायों में सबसे पुराना तरीका है बालों में तेल लगाना। लेकिन सवाल ये है कि क्या ज्यादा देर तक तेल लगाए रखना बालों के लिए फायदेमंद होता है?

लंबे समय तक तेल जमा रहता है तो कुछ लोगों में फंगल ग्रोथ बढ़ सकती है। इससे डैंड्रफ, सिर में खुजली और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में स्कैल्प की यह परेशानी बालों के झड़ने को भी बढ़ा सकती है

विशेषज्ञों के अनुसार, हमारे बाल मुख्य रूप से केराटिन नाम के प्रोटीन से बने होते हैं। बालों की बाहरी परत कई छोटी-छोटी कोशिकाओं से बनी होती है, जो पानी को सोखने की क्षमता रखती हैं। जब बाल बार-बार पानी के संपर्क में आते हैं तो ये कोशिकाएं फूल जाती हैं और सूखने के बाद वापस अपनी पुरानी स्थिति में लौटती हैं। यह प्रक्रिया लगातार होने पर बालों की मजबूती धीरे-धीरे कम हो सकती है। इस वजह से बाल कमजोर होने लगते हैं, आसानी से टूट सकते हैं और दोमुंहे बालों की समस्या भी बढ़ सकती है। बालों को धोने से पहले तेल लगाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। नहाने से कुछ समय पहले बालों और स्कैल्प पर तेल लगाने से बालों के ऊपर एक हल्की सुरक्षा परत बन जाती है। यह परत बालों को जरूरत से ज्यादा पानी सोखने से बचाने में मदद करती है। इसके अलावा शैंपू में मौजूद कुछ रसायनों का सीधा असर बालों पर कम हो सकता है, जिससे बालों की प्राकृतिक नमी बनी रहती है और वे ज्यादा रूखे नहीं होते।

कई लोग रातभर बालों में तेल लगाकर सोते हैं। उनका मानना होता है कि ज्यादा समय तक तेल लगा रहने से बालों को ज्यादा पोषण मिलेगा। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि हर व्यक्ति के लिए यह तरीका सही नहीं होता। खासकर जिन लोगों की स्कैल्प ज्यादा तैलीय रहती है, उनके लिए लंबे समय तक तेल लगा रहना परेशानी बढ़ा सकता है। स्कैल्प पर प्राकृतिक रूप से एक तेल बनता है, जिसे सीबम कहा जाता है। जब इसके ऊपर लंबे समय तक अतिरिक्त तेल जमा रहता है तो कुछ लोगों में फंगल ग्रोथ बढ़ सकती है। इससे डैंड्रफ, सिर में खुजली और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में स्कैल्प की यह परेशानी बालों के झड़ने को भी बढ़ा सकती है। इसलिए तेल को जरूरत से ज्यादा देर तक लगाए रखना हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं माना जाता। बालों में तेल लगाने के लिए विशेषज्ञ आमतौर पर नहाने से करीब 15 से 30 मिनट पहले का समय बेहतर मानते हैं। इतने समय में तेल बालों पर अपनी सुरक्षा परत बना लेता है और धोने के दौरान बालों को नुकसान से बचाने में मदद करता है। तेल लगाते समय इसे धीरे-धीरे बालों की लंबाई और स्कैल्प पर लगाना चाहिए। हल्के हाथों से मसाज करने से आराम भी मिलता है और स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो सकता है।

हालांकि, सिर्फ तेल लगाने से बालों का झड़ना पूरी तरह बंद नहीं होता। बालों की अच्छी सेहत के लिए संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद, तनाव कम करना और सही हेयर केयर भी जरूरी है।

मधुमेह, कब्ज और तनाव में लाभकारी 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन'

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। शरीर, मन और आत्मा के संतुलित विकास के लिए योग संस्कृति में अनेकों आसनों का वर्णन मिलता है। 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' उन्हीं प्रमुख आसनों में से एक है। यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, पाचन तंत्र को सुदृढ़ करने तथा शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय रखने में सहायक माना जाता है।

यह आसन हठ योग की प्राचीन परंपरा का अंग है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसे लेकर सटीक जानकारी दी है, जिसके अनुसार 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' का नियमित अभ्यास करने से एड्रिनल ग्रंथि की स्थिति में सुधार होता है। साथ ही, यह कब्ज, दमा और पाचन संबंधी समस्याओं से निजात भी दिलाता है। मधुमेह रोगियों के लिए भी यह एक अच्छा विकल्प है। साथ ही यह आसन पेनक्रियाज को एक्टिव करता है। यह मांसपेशियों को लचीला बनाता है और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर करता है और शरीर को डिटॉक्स करता है।

रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, पाचन तंत्र को सुदृढ़ शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय रखने में सहायक माना जाता

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले योगा मैट बिछा लें। इसके बाद दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं और रीढ़ को सीधा रखते हुए अपने दाएं पैर के घुटने को मोड़ते हुए बाहर की ओर निकालें। इसके बाद बाएं पैर का तल जमीन पर पूरी तरह टिका होना चाहिए। सिर को दाईं ओर घुमाएं और कंधे की दिशा में देखें। इस दौरान सामान्य गहरी सांस लेनी चाहिए। इसको लगभग 30 सेकंड तक करने के बाद सामान्य स्थिति में ले आएं, लेकिन इस बात का ध्यान रहे कि इसे करने के दौरान ध्यान रीढ़ की हड्डी और सांस पर केंद्रित करना चाहिए। शुरुआती अभ्यास में बहुत अधिक जोर न लगाएं और अभ्यास की अवधि धीरे-धीरे बढ़ाएं।

यह आसन करने से पहले योग विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि सही तरीके से आसन करने की सलाह मिल सके। योग का अहम सूत्र है कि इसे दोपहर में न करें। आसन सूर्योदय या सूर्यास्त के समय करें। गर्मी जब सिर पर हो यानी चरम हो तो दोपहर के सत्र से बचें और एक अहम बात, कुशल योग प्रशिक्षक से सलाह जरूर लें।

'हीरो' की पहली शूटिंग से ही बन गई जैकी-मीनाक्षी की खास केमिस्ट्री

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। साल 1983 में रिलीज हुई फिल्म 'हीरो' में जैकी श्रॉफ और मीनाक्षी शेषाद्रि की दमदार जोड़ी देखने को मिली थी। इस कड़ी में अब मीनाक्षी शेषाद्रि ने इस फिल्म से जुड़ा एक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के पहले ही दिन से उनकी और जैकी श्रॉफ की केमिस्ट्री इतनी अच्छी बन गई थी कि इसका असर फिल्म की रोमांटिक कहानी पर साफ नजर आया।

डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में पहुंचीं मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपनी फिल्म 'हीरो' से जुड़ी यादें साझा कीं। शो में कंटेस्टेंट वैदेही और प्रतीक ने 'हीरो' के गाने पर शानदार डांस किया। इस परफॉर्मेंस को देखकर मीनाक्षी भावुक हो गईं और उन्होंने फिल्म के सफर से जुड़े कई अनसुने किस्से बताए।

मीनाक्षी ने बताया कि फिल्म को देश के दूसरे हिस्सों में भी काफी पसंद किया गया था। उन्होंने चेन्नई का एक खास किस्सा बताते हुए कहा कि उस समय वहां हिंदी फिल्मों को ज्यादा बढ़ावा नहीं मिलता था, लेकिन 'हीरो' ने वहां भी जबरदस्त सफलता हासिल की।

उन्होंने कहा, 'चेन्नई में एक थिएटर था, जिसका नाम पद्मा था। उस थिएटर में 'हीरो' लगातार करीब एक साल तक चली थी। यह अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड था। चेन्नई में रहने वाले उनके रिश्तेदार इस सफलता से बेहद खुश थे। मेरे रिश्तेदारों को गर्व महसूस हुआ कि उनके परिवार की बेटी ने इतना बड़ा मुकाम हासिल किया है।'

फिल्म को देश के दूसरे हिस्सों में भी काफी पसंद किया गया था। उन्होंने चेन्नई का एक खास किस्सा बताते हुए कहा कि उस समय वहां हिंदी फिल्मों को ज्यादा बढ़ावा नहीं मिलता था, लेकिन 'हीरो' ने वहां भी जबरदस्त सफलता हासिल की:
मीनाक्षी शेषाद्रि

एक साल तक चेन्नई के थिएटर में चली थी फिल्म

इस सफलता का श्रेय मीनाक्षी ने फिल्म के निर्देशक सुभाष घई को भी दिया। उन्होंने कहा, 'फिल्म को जिस तरह से बनाया गया और जिस तरह से किरदारों को पेश किया गया, उसमें निर्देशक सुभाष घई की अहम भूमिका थी। उन्होंने हमारे जोड़ी को इस तरह पेश किया कि हम दर्शकों के दिलों में बस गए।'

अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, ''मुहूर्त के बाद एक जंगल का सेट तैयार किया गया था। इसी सेट पर फिल्म की पहली शूटिंग शुरू हुई थी। पहले ही दिन से जैकी श्रॉफ और मेरे बीच अच्छी दोस्ती हो गई। हमारी केमिस्ट्री इतनी अच्छी थी कि वह पर्दे पर भी नजर आई। आज भी लोग जैकी और मेरी जोड़ी को पसंद करते हैं और फिल्म 'हीरो' से जुड़ी यादों को प्यार से याद करते हैं।''

रॉयल रणथंभौर हेरिटेज ब्रांड ने बाघ संरक्षण के लिए द कॉर्बेट फाउंडेशन से की साझेदारी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रैडिको खेतान लिमिटेड के प्रीमियम व्हिस्की ब्रांड रॉयल रणथंभौर व्हिस्की ने विश्व बाघ दिवस के अवसर पर द कॉर्बेट फाउंडेशन के साथ अपनी साझेदारी के जरिए भारत में बाघ संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। यह साझेदारी ब्रांड की उस पहचान को संरक्षण प्रयासों से जोड़ती है, जिसकी प्रेरणा भारत के सबसे प्रसिद्ध बाघ आवासों में से एक से ली गई है। इसका उद्देश्य वन्यजीव आवासों की रक्षा करना और स्थानीय समुदायों तथा वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व को मजबूत करना है। भारत में बाघ संरक्षण की यात्रा दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण वन्यजीव पुनरुद्धार प्रयासों में से एक मानी जाती है।

विश्व बाघ दिवस

ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में बाघों की संख्या 2018 में 2,967 से बढ़कर 2022 में अनुमानित औसत 3,682 हो गई है, जो प्रति वर्ष 6.1 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। वर्तमान में भारत दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघों का घर है। साल 1973 में नौ टाइगर रिजर्व के साथ शुरू की गई प्रोजेक्ट टाइगर पहल अब 18 राज्यों में फैले लगभग 84,500 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र वाले 58 टाइगर रिजर्व तक विस्तारित हो चुकी है।

हाई-रिस्क इमरजेंसी एंजियोप्लास्टी की मदद से

52-वर्षीय मरीज का सफल उपचार

जीवनरक्षक प्रक्रिया ने मरीज की हार्ट पम्पिंग क्षमता को 10 से बढ़ाकर 45 प्रतिशत किया

ग्रेटर नोएडा, 29 जुलाई (देशबन्धु)। फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा ने 57-वर्षीय ऐसे पुरुष मरीज को जीवनरक्षक, हाई-रिस्क एंजियोप्लास्टी की मदद से स्वास्थ्यलाभ का अवसर दिया है जिन्हें मात्र 10 से 15 प्रतिशत के इजेक्शन फ्रैक्शन (ईएफ) (यह हृदय की पम्पिंग क्षमता की माप करता है) जैसी अत्यधिक गंभीर कंडीशन की शिकायत के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. शांतनु सिंघल, कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट, फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में अस्पताल की मेडिकल टीम ने तत्काल इस मामले में मल्टी-स्टेज इंटरवेंशन कर मरीज की हार्ट पम्पिंग क्षमता में सुधार किया और इसे 45 प्रतिशत तक बढ़ाया किया गया। मरीज को जब अस्पताल लाया गया तो पिछले 24 घंटे से उनके सीने में भारीपन और सांस लेने में शिकायत थी। वह अनियंत्रित मधुमेह तथा उच्च रक्तचाप से भी पीड़ित रहे थे और उनके फेफड़ों में पानी भर गया था। उनके उच्च रक्तचाप में भी बार-बार उतार-चढ़ाव हो रहा था। मरीज की तीन प्रमुख हृदय धमनियां काफी अवरुद्ध थीं, ऐसे में एक्यूट हार्ट फेलियर, और बेहद खतरनाक स्तर तक गिर चुके हार्ट फंक्शन (ईएफ 10-15 प्रतिशत) के चलते, तत्काल पारंपरिक एंजियोप्लास्टी के अपने खतरे थे और वे एकाएक कार्डियाक अरेस्ट के शिकार बन सकते थे। क्लीनिकल टीम ने सबसे पहले इंट्रा-एओर्टिक बैलून पम्प (आईएबीपी) (यह एक प्रकार की मैकेनिकल डिवाइस होती है जो कैथेटर तथा बैलून को एओर्टा में लगाकर हार्ट को ब्लड पम्प करने में मदद करती है) की सहायता से उन्हें स्थिर किया और उसके बाद उनकी इमरजेंसी एंजियोग्राफी की गई। मरीज को दो दिनों तक गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में रखने के बाद, डॉक्टरों ने केवल 15-मिनट चली मेडिकल प्रक्रिया से उनकी मुख्य धमनी से अवरोध हटाने में सफलता हासिल की। डॉ. शानू शर्मा, मेडिकल डायरेक्टर, फोर्टिस नोएडा एंड ग्रेटर नोएडा ने कहा कि मरीज की इस शानदार रिकवरी ने बेहद नाजुक और जटिल आपातकालीन परिस्थितियों में भी उन्नत, जीवनरक्षक कार्डियाक केयर प्रदान करने की फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा की प्रतिबद्धता दोहरायी है।

मरीज गंभीर कार्डियोजेनिक शॉक से बाहर, पूरी तरह से स्वास्थ्य

अच्छे किरदार मिलना मेरी किस्मत का हिस्सा है : शहनाज गिल

खुद को साबित करने की कोशिश नहीं कर रही

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री शहनाज गिल ने अपने करियर में एक लंबा सफर तय किया है। कभी अपनी चुलबुली अदाओं और बेफिक्र अंदाज से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही। इन दिनों वह हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'इश्कनामा' को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म में वह एक गंभीर भूमिका में नजर आ रही है। पर्दे पर निभाए गए किरदारों को लेकर शहनाज ने कहा कि यह सब उनके सफर और किस्मत का हिस्सा है।

जब आईएएनएस ने शहनाज गिल से पूछा कि क्या वह दर्शकों को अपने व्यक्तित्व का दूसरा पहलू दिखाने या अपनी पुरानी छवि बदलने के लिए इस तरह के किरदार चुन रही हैं, तो उन्होंने साफ कहा कि उनका ऐसा कोई मकसद नहीं है। शहनाज ने कहा, 'मैं कुछ साबित करने की कोशिश नहीं कर रही हूं। मेरी किस्मत इसे साबित कर रही है। भगवान मुझे ताकत दे रहे हैं। उनकी कृपा से मुझे अच्छी स्क्रिप्ट मिल रही हैं। जो भी मुझे मौके मिल रहे हैं, उन्हें मैं पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाने की कोशिश कर रही हूं। एक कलाकार का सफर लगातार सीखने और खुद को बेहतर करने का होता है। मैं किसी एक छवि में बंधकर काम नहीं करना चाहतीं, बल्कि अलग-अलग तरह की कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं।' बातचीत में शहनाज से पूछा गया कि अगर उनकी जिंदगी की अपनी कोई 'इश्कनामा' यानी प्रेम कहानी हो, तो उसका टाइटल क्या होगा। इस सवाल पर अभिनेत्री ने कहा, 'जब मेरी जिंदगी पर फिल्म बनेगी तो मुझे लगता है कि वह बहुत दिलचस्प होगी, और जब ऐसा होगा, तब मैं उसका टाइटल भी बताऊंगी।'

फिल्म में अपने किरदार को लेकर शहनाज गिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि जब किसी सच्ची कहानी पर फिल्म बनाई जाती है तो जिम्मेदारी लेना बहुत जरूरी होता है। मैंने अपनी तरफ से इस जिम्मेदारी को पूरी क्षमता के साथ निभाने की कोशिश की है। मुझे विश्वास है कि मेरे किरदार को लोग जरूर पसंद करेंगे।'

बता दें कि 'इश्कनामा' एक सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म में भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि के बीच प्यार और रिश्तों की कहानी दिखाई गई है।

सावन में मनाए जाने वाले पर्वों का आधार सिर्फ आस्था नहीं बल्कि विज्ञान भी, जानिए वैज्ञानिक महत्व

- **सावन के सोमवार का व्रत भगवान शिव की आराधना के लिए रखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो वर्षा ऋतु में सूर्य का प्रकाश कम मिलने के कारण शरीर की पाचन शक्ति (मेटाबॉलिज्म) कमजोर हो जाती है। ऐसे में उपवास रखने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है**
- **शरीर को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स होने का अवसर मिलता है। डर्मेटोलॉजिस्ट की रिपोर्टों की बात करें तो शरीर जितना डिटॉक्स होता है, त्वचा में उतना ही निखार आता है।**

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में सावन का महीना केवल पूजा-पाठ और धार्मिक आस्था का समय नहीं है बल्कि इसके हर पर्व और परंपरा के पीछे स्वास्थ्य, पर्यावरण, मनोविज्ञान और सामाजिक जीवन से जुड़ा गहरा वैज्ञानिक आधार भी छिपा हुआ है। सावन के सभी सोमवार, नाग पंचमी, हरियाली तीज और रक्षाबंधन जैसे प्रमुख पर्व न केवल आध्यात्मिक महत्व रखते हैं बल्कि मानव जीवन और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखने का संदेश भी देते हैं।

सावन के सोमवार का व्रत भगवान शिव की आराधना के लिए रखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो वर्षा ऋतु में सूर्य का प्रकाश कम मिलने के कारण शरीर की पाचन शक्ति (मेटाबॉलिज्म) कमजोर हो जाती है। ऐसे में उपवास रखने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है और शरीर को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स होने का अवसर मिलता है। डर्मेटोलॉजिस्ट की रिपोर्टों की बात करें तो शरीर जितना डिटॉक्स होता है, त्वचा में उतना ही निखार आती है। बता दें कि मेटाबॉलिज्म शरीर के अंदर होने वाली वह रासायनिक प्रक्रिया है, जो खाए गए भोजन और पानी को ऊर्जा में बदलती है। यह प्रक्रिया सांस लेने, खाना पचाने, खून का बहाव रखने और नई कोशिकाएं बनाने जैसे सभी जरूरी काम करने के लिए शरीर को शक्ति देती है। आयुर्वेद भी इस मौसम में विशेष खानपान की सलाह देता है। सावन में हरी पत्तेदार सब्जियां, प्याज, लहसुन और मांसाहारी भोजन से परहेज करने की परंपरा है। इसका कारण यह माना जाता है कि बारिश और नमी के कारण इन खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया और कीड़े जल्दी पनप सकते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

इसी तरह भगवान शिव के शिवलिंग पर जल या गंगाजल चढ़ाने और औषधीय गुणों से भरपूर बेलपत्र अर्पित करने की परंपरा भी स्वास्थ्य से जुड़ी मानी जाती है। माना जाता है कि बेलपत्र के औषधीय गुण मानसून में होने वाले संक्रमण और पेट संबंधी समस्याओं से राहत देने में सहायक होते हैं।

इस मौसम में घास-फूस खाने वाले पशु कई बार अनजाने में ऐसे कीड़े-मकोड़े खा लेते हैं, जिससे उनका दूध स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है और आयुर्वेद के अनुसार सावन में सीधे दूध का सेवन टालने की सलाह दी जाती थी और इसी कारण अतिरिक्त दूध को स्वास्थ्य हित में उपभोग करने के बजाय भगवान शिव को अर्पित करने की परंपरा बनाई गई।

सावन में मनाई जाने वाली नाग पंचमी केवल सांपों की पूजा का पर्व नहीं है बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देती है। वैज्ञानिक दृष्टि से वर्षा ऋतु में बारिश के कारण सांप अपने बिलों से बाहर निकल आते हैं। इसी समय खेतों में चूहों और कीट-पतंगों की संख्या भी बढ़ जाती है, जो फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। सांप इन जीवों को नियंत्रित कर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। इसलिए नाग पूजा का मूल संदेश प्रकृति के हर जीव के महत्व को समझना और उनके साथ सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ▪ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▪ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049 हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

कॉमनवेल्थ गेम्स: भारतीय बॉक्सरों ने अब तक पक्के किए रिकॉर्ड 10 मेडल

गुलवीर सिंह 10 हजार मी. दौड़ में पदक पाने वाले पहले भारतीय बने

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में सातवां दिन भारतीय मुक्केबाजों के नाम रहा। भारत ने इस इवेंट में अब तक 10 मेडल पक्के कर लिए हैं। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई और इसी के साथ भारत का एक कॉमनवेल्थ में ये बॉक्सिंग में सबसे अधिक मेडल बन गया है। लॉन बाउल्स के फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों ने जगह बना ली है। अब तक भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कुल 22 मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत मेडल टैली में 7वें स्थान पर मौजूद है। उसके खाते में अब तक दो गोल्ड, 8 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज आए हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 33 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज सहित कुल 77 मेडल्स के साथ पदक तालिका में सबसे ऊपर बना हुआ है।

इसके कुछ ही मिनट बाद गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में ऐतिहासिक सिल्वर मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस स्पर्धा में पोडियम पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। लगातार बारिश और पानी से भरे ट्रैक के बावजूद गुलवीर ने शानदार धैर्य दिखाया। उन्होंने आखिरी दौर में तेज रफ्तार पकड़ी और मेडल की दौड़ में जगह बनाई। गुलवीर ने 27:49.78 का समय निकाला और ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन से सिर्फ 0.85 सेकंड पीछे रहे। रॉबिन्सन ने 27:48.93 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में हरजिंदर ने 123 किलोग्राम वजन उठाया और फिर 126 किलोग्राम के साथ अपना कुल स्कोर 227 किलोग्राम तक पहुंचाया।

मुरली श्रीशंकर ने जीता सिल्वर

लॉन्ग जम्पर मुरली श्रीशंकर ने ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को 13वां मेडल दिलाया। उन्होंने बुधवार देर रात पुरुष लॉन्ग जंप इवेंट में 8.09 मीटर की छलांग लगाई और सिल्वर हासिल किया। एक अन्य भारतीय लोकेश सत्यनाथन (7.97 मीटर) 5वें स्थान पर रहे। मुरली के मेडल के बाद भारत मेडल टैली में 2 गोल्ड, 8 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज के सहारे 9 नंबर पर है।

अरुंधति का पदक पक्का

भारत की एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही पदक पक्का कर लिया है। अरुंधति का महिला 70 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में न्यूजीलैंड की मोर्गन हेंडरसन से सामना हुआ। अरुंधति ने इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और 3-1 के खंडित फैसले में जीत दर्ज की।

सचिन सिवाच को भी पदक मिलना तय

भारतीय मुक्केबाजों का दमदार प्रदर्शन जारी है और अब सचिन सिवाच ने भी राष्ट्रमंडल खेलों में पदक पक्का कर लिया है। सचिन सिवाच ने पुरुष 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में बोत्सवाना के ट्रेजर मोरेमी को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। आज अब तक तीनों भारतीय मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्के किए हैं। इससे पहले, मंगलवार को तीन मुक्केबाजों ने पदक पक्के किए थे।

जैस्मिन सेमीफाइनल में

जैस्मीन लंबोरिया ने अंतिम राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड की एलिस ग्लिन को 57 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में 5-0 से हराकर 4-1 के विभाजित निर्णय से जीत हासिल की। इस जीत के साथ जैस्मीन सेमीफाइनल में पहुंच गई और बुधवार को पदक जीतने वाली छठी भारतीय मुक्केबाज बन गई हैं। भारत ने बुधवार को मुक्केबाजी में छह पदक पक्के किए। राष्ट्रमंडल खेलों के सातवें दिन भारत के छह मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में उतरे थे।

साक्षी टॉप-4 में पहुंचने वाली 5वीं मुक्केबाज

महिला बॉक्सिंग की 70 किलोग्राम वेट कैटेगरी में अरुंधति ने न्यूजीलैंड की मॉर्गन एडरसन को 3-1 से हराया। साथ ही 51 किलोग्राम वेट कैटेगरी में साक्षी चौधरी ने नॉर्दन आयरलैंड को कैथलीन फ्रेयर को 5-0 से हराया। वहीं भारत के स्टार धावक अनिमेष कुजूर ने 200 मीटर स्प्रिंट में अपनी हीट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया।

उन्होंने हीट्स में 20.46 सेकंड का समय लिया। उनकी हीट में इमैनुएल एसेमे और म्व्युो मॉस जैसे धावक थे, लेकिन अनिमेष ने पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, अभी सेमीफाइनल के लिए वह आधिकारिक तौर पर क्वालिफाई नहीं किए हैं, लेकिन कॉमेंटेटर्स के मुताबिक वह सेमीफाइनल में क्वालिफाई कर जाएंगे। कुल 10 हीट्स हैं और हर हीट में करीब सात धावक हैं। इन लगभग 70-75 धावकों में से सर्वश्रेष्ठ समय वाले 16 धावक सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे। अभी जितनी हीट हुई हैं, उन्हें मिलाकर कुजूर फिलहाल पांचवें स्थान पर हैं।

नीरज चोपड़ा के सामने होंगे पाकिस्तान के नदीम

आज जैवलिन थ्रो का क्वालिफिकेशन राउंड

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा इस बार अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच गई है। गुरुवार को भाला फेंक इवेंट की शुरुआत होगी। ग्लासगो में दक्षिण एशिया के तीन दिग्गज एथलीट स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार के रूप में उतर रहे हैं, जिससे यह मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। भारत के नीरज चोपड़ा आठ साल पहले गोल्ड कोस्ट में जीते अपने राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक का बचाव करेंगे।

बर्मिंघम 2022 में चोट के कारण वह हिस्सा नहीं ले सके थे। पिछले एक वर्ष में उनका प्रदर्शन मिक्स्ड रहा। मई 2025 में उन्होंने 90.23 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर 90 मीटर की दूरी पार करने वाले पहले भारतीय बनने का इतिहास रचा, लेकिन इसके बाद विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहकर निराश किया।

अरशद नदीम और रुमेश थरंगा पथिरागे एक्शन में होंगे

पाकिस्तान के अरशद नदीम मौजूदा ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन हैं। 92.97 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड के साथ वह इस स्पर्धा के सबसे मजबूत दावेदारों में शामिल हैं। वहीं, श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने इस सत्र में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का विश्व सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर सबका ध्यान खींचा। यह किसी एशियाई खिलाड़ी का दूसरा सबसे लंबा थ्रो है। तीनों खिलाड़ियों के नाम 90 मीटर से अधिक के राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज हैं।

नीरज चोपड़ा की 8 साल बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में वापसी

नीरज चोपड़ा ने आखिरी बार 2018 गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 86.47 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। इसके बाद वह बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में हिस्सा नहीं ले पाए थे। चोट के कारण उन्हें उस टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। यानी अब 8 साल बाद नीरज की कॉमनवेल्थ गेम्स में वापसी हो रही है। नीरज भारत की 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम का हिस्सा हैं और इस बार भी उनसे मेडल की बड़ी उम्मीदें हैं।

वैभव सूर्यवंशी बने दिलीप ट्रॉफी ईस्ट जोन टीम के उपकप्तान, ईशान को मिली कमान

मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी टीम में किए गए शामिल

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय घरेलू क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दिलीप ट्रॉफी 2026 के लिए ईस्ट जोन टीम का ऐलान कर दिया गया है।

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों से सजी इस टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि बिहार के युवा सनसनी 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान नाया गया है। छोटी उम्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद वैभव के अपने आप को एक और भूमिका में साबित करने का मौका होगा। ईस्ट जोन की ओर से ऐलान की गई टीम में ईशान किशन को कप्तान बनाया गया है।

ईस्ट जोन की टीम

ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप कुमार घरामी, शाहबाज अहमद, सूरज सिंधु जायसवाल, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, अनुकूल रॉय, विराट सिंह, शुभ्रांशु सेनापति, डेनिश दास और अभिजीत सरकार।

अनुकूल और शाहबाज को मिली जगह

गेंदबाजी विभाग में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार को शामिल किया गया है। दोनों ही गेंदबाजों के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है और उनकी मौजूदगी से टीम का पेस अटैक काफी मजबूत नजर आ रहा है। इनमें से शमी के प्रदर्शन पर भी खासी नजर होने वाली है, क्योंकि कुछ क्रिकेट एक्सपर्ट का मानना है कि उन्हें वर्ल्ड कप 2027 की टीम में होना चाहिए।

टी20 में वैभव की 230 स्थानों की बड़ी छलांग

दुबई । भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आईसीसी की ताजा वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में फिर से दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर वापसी की। मिचेल इस साल जनवरी से नंबर-एक पर काबिज थे, लेकिन हालिया वेस्टइंडीज-न्यूजीलैंड सीरीज में नहीं खेलने का फायदा गिल को मिला। वहीं, महज 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। वैभव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज में दो अर्धशतक लगाए और 50.33 की औसत से 151 रन बनाए।

एशियन गेम्स के लिए हॉकी इंडिया ने टीम की घोषणा की

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियन गेम्स के लिए हॉकी इंडिया ने 20 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी टीम गोल्ड मेडल के लिए चुनौती पेश करेगी। स्क्वाड में मोहित और सूरज करकेरा गोलकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत के अलावा जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच रक्षा पंक्ति का काम करेंगे। ये भारत की डिफेंस लाइन होगी। मिडफील्ड के रूप में राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा और विवेक सागर टीम में शामिल किए गए हैं।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में सबसे नीचे आया पाक

वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट में पाकिस्तान को 90 रन से रौंदा

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक बार फिर बड़ी फजीहत हुई। वेस्टइंडीज दौरे पर मौजूद पाक टीम को पहले टेस्ट में 90 रन की बड़ी हार मिली है।

जिसकी वजह से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में पड़ोसियों के हालात बेहद बुरे हो गए हैं। यहां तक कि बांग्लादेश और वेस्टइंडीज भी पाकिस्तान से आगे है। पाकिस्तान का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में अब तक बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। टीम ने 5 में से सिर्फ 1 टेस्ट जीता है। इसी वजह से पाकिस्तान सिर्फ 4 अंकों और 6.67 प्रतिशत पीसीटी के साथ पॉइंट्स टेबल में आखिरी यानी 9वें स्थान पर है। वहीं भारत पांचवें स्थान पर है।

वायुसेना ने श्रीलंका की डिफेंडर्स एफसी को हराया

नाओरेम सोमनंदा सिंह का शानदार गोल

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

नाओरेम सोमनंदा सिंह के शानदार गोल और दूसरे हाफ में डिफेंडर्स एफसी के आत्मघाती गोल की मदद से भारतीय वायुसेना फुटबॉल टीम ने बुधवार को 135वें डूरंड कप के ग्रुप सी मुकाबले में श्रीलंका की डिफेंडर्स एफसी को 2-1 से हराया।

बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय वायुसेना के लिए नाओरेम ने 25वें मिनट में गोल किया, जबकि 68वें मिनट में डिफेंडर्स एफसी के के. डी. एस. संकल्पा ने गलती से गेंद अपने ही गोल में डाल दी। डिफेंडर्स की ओर से एन. एम. अफलाल ने 70वें मिनट में गोल किया।भारतीय वायुसेना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और श्रीलंकाई टीम को लगातार दबाव में रखा। 25वें मिनट में डिफेंडर्स एफसी के डिफेंडर संपत कुमार की गलती का फायदा उठाते हुए नाओरेम ने बॉक्स के बाहर से शानदार दाएं पैर का शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा गोल था।

आइकोनिक इंटर स्कूल फुटबॉल कप 3 अगस्त से

● भोपाल / (एजेंसी)

शहर के बिशेनखेड़ी स्थित द आइकोनिक स्कूल में आइकोनिक इंटर स्कूल अंडर-19 फुटबॉल कप का आयोजन 3 अगस्त से किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन नॉकआउट पद्धति से होगा, जिसमें शहर की 16 स्कूलों की टीमें भाग लेकर खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। द आइकोनिक स्कूल की प्राचार्या सुमन पुरोहित दास ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय पहली बार इतने बड़े स्तर पर इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट खेल सुविधाएं और बेहतर आयोजन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर मंच मिल सके।

नेमार जूनियर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को कहा अलविदा

क्लब फुटबॉल खेलते रहेंगे ब्राजीली दिग्गज

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार जूनियर ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास की पुष्टि कर दी है।

अब वे ब्राजील के लिए खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। 34 वर्षीय ने अपनी टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन वे विश्व कप नहीं जीत सके। अब उन्होंने अपने संन्यास की पुष्टि कर दी है और इस दौरान वे भावुक हो गए। हाल ही में समाप्त हुए फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ब्राजील की टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। उन्हें टूर्नामेंट जीतने के लिए प्रबल दावेदार माना जाता है लेकिन टीम टॉप-4 में जह बनाने में नाकाम रही।

मूल्यांकन आईपीएल की बिजनेस एंटरप्राइज वैल्यू भी बढ़कर 20.6 अरब डॉलर हुई, 11.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज

आरसीबी की ब्रांड वैल्यू करीब 2,985 करोड़ रुपए पर पहुंची

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैदान पर चौकों-छक्कों के रोमांच के साथ ही कारोबार की दुनिया में भी लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है।

2026 की ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट के अनुसार, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) दुनिया की पहली क्रिकेट टीम बन गई है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 300 मिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गई है। आरसीबी की मौजूदा ब्रांड वैल्यू 312 मिलियन डॉलर (करीब 2,985 करोड़ रुपए) आंकी गई है। वैश्विक निवेश बैंक हौलिहान लोके की रिपोर्ट के मुताबिक, आईपीएल की बिजनेस एंटरप्राइज वैल्यू भी बढ़कर 20.6 अरब डॉलर हो गई है। यह पिछले साल के मुकाबले 11.4 प्रतिशत अधिक है और लगातार दूसरे साल लीग ने दोहरे अंकों की ग्रोथ दर्ज की है।

वहीं आईपीएल की स्टैंड-अलोन ब्रांड वैल्यू 10.3 प्रतिशत बढ़कर 4.3 अरब डॉलर पहुंच गई है। 2023 के बाद से लीग की ब्रांड वैल्यू में 1.1 अरब डॉलर से ज्यादा का इजाफा हुआ है। आरसीबी ने लगातार दूसरे साल सबसे मूल्यवान आईपीएल फ्रेंचाइजी का स्थान बरकरार रखा।

मूल्यवान फ्रेंचाइजियों में मुंबई दूसरे स्थान पर रही

सबसे मूल्यवान फ्रेंचाइजियों की सूची में मुंबई इंडियंस 264 मिलियन डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स 245 मिलियन डॉलर और चेन्नई सुपर किंग्स 244 मिलियन डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल हुए बड़े निवेश सौदों ने आईपीएल की व्यावसायिक ताकत को और मजबूत किया है। आरसीबी को 1.78 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर ब्लैकस्टोन, बोल्ट वेंचर्स, आदित्य बिड़ला ग्रुप और टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप के कंसोर्टियम ने खरीदा।

1.06 अरब लोगों ने देखा आईपीएल

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी आईपीएल का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। आधिकारिक प्रसारक जियोस्टार के आंकड़ों के अनुसार, आईपीएल 2026 सीजन 1.06 अरब स्क्रीन तक पहुंचा, जबकि कुल व्यूअरशिप में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कनेक्टेड टीवी सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्लेटफॉर्म रहा, जहां पहुंच में 26 प्रतिशत का उछाल आया। इसके विपरीत पारंपरिक टीवी रेटिंग में 18.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
677 = 0	358 = 6
470 = 1	390 = 2

शुभांक

दिन	रात
338 = 4	770 = 4
690 = 5	200 = 2

भाग्यांक

2 4 6 8

www.kalyangame.com

पृथ्वी की सतत बदलाव की यात्रा को समझते हुए यह पाया गया कि आज जो पृथ्वी अत्यधिक गर्म और जलवायु संकटग्रस्त मानी जाती है, वह कभी इतनी ठंडी थी कि जीवन लगभग समाप्त हो गया था। यह एक संकेत है कि पृथ्वी के वातावरण का संतुलन बहुत नाजुक है और यह प्राकृतिक घटनाओं के अलावा मानव गतिविधियों से भी प्रभावित हो सकता है।

पृथ्वी का ऐतिहासिक 'हिम'युग और जीवन पर प्रभाव

पृथ्वी के इतिहास में कुछ ऐसी घटनाएं घटीं जिन्होंने न केवल जलवायु को बदल दिया, बल्कि जीवन के विकास को भी प्रभावित किया। इनमें से एक महत्वपूर्ण घटना थी 'स्नोबॉल अर्थ', हिमयुग की जो लगभग 720 से 635 मिलियन (72 से 63.5 करोड़) वर्ष पहले नियोप्रोटेरोजोइक युग के दौरान घटी। इस दौरान पृथ्वी का अधिकांश हिस्सा बर्फ से ढका हुआ था और यह एक तरह का वैश्विक हिमयुग था। आइए, जानते हैं कि 'स्नोबॉल अर्थ' ने हमारे ग्रह और जीवन पर किस प्रकार प्रभाव डाला।

स्नोबॉल अर्थ एक वैश्विक हिमयुग

स्नोबॉल अर्थ, जिसे क्रायोजेनियन काल (720-635 मिलियन वर्ष पहले) के दौरान हुआ था, पृथ्वी का एक बहुत ठंडा और बर्फीला समय था। इस अवधि के दौरान ग्रह के अधिकांश हिस्से पर बर्फ की चादर फैली हुई थी और तापमान इतना गिर गया था कि पूरे ग्रह पर जीवन के लिए उपयुक्त परिस्थितियां लगभग समाप्त हो गई थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार, उस समय वायुमंडल में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम थी और मीथेन गैस जो पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित करती थी, लगभग शून्य हो गई थी। नतीजतन, पृथ्वी एक विशाल हिमखंड में तब्दील हो गई थी।

उस समय का जीवन

हिमयुग के दौरान जीवन सूक्ष्मजीवों तक सीमित था, जैसे सायनोबैक्टीरिया, शैवाल और अन्य प्रोकैरियोट्स। जटिल बहुकोशिकीय जीव, जैसे स्पंज और एडियाकरण जीव, प्रारंभिक काल में थे या फिर अभी उभर रहे थे, पर वे बहुत कम संख्या में थे। हालांकि, जीवाश्म रिकॉर्ड से स्पष्ट होता है कि उथले समुद्री वातावरण में जीवन जारी रहा, जो पूरी तरह से जमे नहीं थे। विभिन्न आश्रयों ने जीवों को जीवित रहने का अवसर प्रदान किया, जिससे वे इस कठिन समय से बच सके।

हिमयुगों का ऐतिहासिक प्रभाव

स्नोबॉल अर्थ के बाद पृथ्वी पर चार प्रमुख हिमयुगों का सामना हुआ। प्रोटो-कोलंबियाई हिमयुग (580 मिलियन वर्ष पहले) के बाद जीवन का विकास तेज हुआ। कैम्ब्रियन-ऑर्डोविचियन हिमयुग (485-443 मिलियन वर्ष पहले) में जलवायु परिवर्तन और बर्फबारी से समुद्री जीवन बढ़ा। पर्मियन हिमयुग (300 मिलियन वर्ष पहले) में पृथ्वी बर्फ से ढकी रही, जिससे पर्मियन-त्रायासिक विलुप्ति हुई। क्वार्टनरी हिमयुग (2.58 मिलियन वर्ष पहले से अब तक) में ग्लेशियर बने और हम इंटरग्लेशियल दौर में हैं। प्रत्येक हिमयुग ने पृथ्वी की जलवायु, जीवन और भूगर्भीय स्वरूप को प्रभावित किया। हालांकि प्रत्येक हिमयुग की अवधि और प्रभाव भिन्न थे, लेकिन इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि पृथ्वी की जलवायु समय-समय पर अत्यधिक बदलती रही है।

इस युग का... विकासात्मक प्रभाव

स्नोबॉल अर्थ के दौरान कोई बड़े विलुप्ति घटनाएं नहीं हुईं, लेकिन यह अवधि जीवन के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ा। कुछ वैज्ञानिक यह मानते हैं कि इस हिमयुग के बाद पर्यावरण में सुधार हुआ और जटिल जीवन का तेजी से विकास हुआ। इस दौरान हुए आनुवंशिक 'बोतलनेक और फ्लश' चक्र ने बाद में एडियाकरण और कैम्ब्रियन विस्फोट के लिए मार्ग प्रशस्त किया, जिसमें बहुकोशिकीय जीवन का विकास हुआ।

अतीत से सीख लेने का समय

पृथ्वी के इतिहास में हिमयुगों के पांच बड़े चक्र केवल भौगोलिक घटनाएं नहीं थी, बल्कि यह हमें चेतावनी देते हैं कि जलवायु परिवर्तन के मौजूदा परिप्रेक्ष्य में पृथ्वी के भविष्य को बचाना हमारे लिए कितना आवश्यक है। आज जबकि हम पृथ्वी के बढ़ते तापमान से चिंतित हैं, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि अतीत की अत्यधिक ठंडक भी विनाशकारी रही है। हमें इस ऐतिहासिक ज्ञान को ध्यान में रखते हुए, पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने के उपायों पर काम करना होगा, ताकि भविष्य में कोई और 'स्नोबॉल अर्थ' जैसी स्थिति उत्पन्न न हो सके।

■ राममनोहर रायकवार

जानिए वैज्ञानिक कारण

ऊंचाई पर क्यों चढ़ता ज्यादा नशा?

क्या आपने कभी सोचा है कि नियमित रूप से दो-तीन पैग वाइन पीने वाले व्यक्ति भी फ्लाइट में एक पैग पीकर ही क्यों मदहोश हो जाते हैं। सिर्फ एक पैग में ही इतना नशा चढ़ जाता है कि सिर घूमने लगता है? ऐसा ही हमें पहाड़ों की वादियों में महसूस होता है।

किसी पहाड़ी क्षेत्र की सैर के दौरान यदि हम सुरापान करें तो जरा सी मय भी हमें मदमस्त कर देती है। यह कोई कोरी कल्पना नहीं, बल्कि एक सच्चाई है, जो साइंस के प्रभाव पर आधारित है। ऊंचाई पर शराब का नशा अधिक चढ़ने का कारण शरीर की जैविक क्रिया और वायुमंडलीय दबाव में छिपा है।

ऑक्सीजन की न्यूनता है कारण

जब हम किसी ऊंची जगह पर जाते हैं तो वहां वातावरण में मौजूद ऑक्सीजन का स्तर कम होने लगता है। विमान हो या ऊंची पहाड़ियां, दोनों ही स्थितियों में हवा में ऑक्सीजन की कमी शरीर को सामान्य रूप से कार्य करने से रोकती है। ऐसे में जब अल्कोहल शरीर में प्रवेश करता है, तो वह रक्तवाहिकाओं को फैला देता है और मस्तिष्क की सक्रियता को धीमा करता है। कम ऑक्सीजन और अल्कोहल, यह संयोजन मस्तिष्क पर ज्यादा असर डालता है। कम ऑक्सीजन का मतलब है कि दिमाग को उतनी ऊर्जा नहीं मिलती, जिससे शराब का असर और तेज़ महसूस होता है।

नमी की अल्पता का असर

इसी के साथ एक प्रमुख कारण अवशोषण (डि-हाईड्रेशन) भी है। पहाड़ी या ऊंचाई वाले क्षेत्रों में नमी कम होती है, जिससे शरीर डिहाइड्रेट होता है। इस कारण शारीरिक क्रियाएं ठीक ढंग से क्रियान्वित नहीं होतीं, जिससे शराब का नशा तेजी से बढ़ने लगता है। परिणामस्वरूप, वही एक पैग जो मैदान में कम असर करता, विमान या पहाड़ों में दोगुना महसूस होता है। पहाड़ी सफर या लंबी उड़ानें शरीर और दिमाग को थका देती हैं। ऐसे में मस्तिष्क पहले से ही धीमा चलता है और शराब की थोड़ी सी मात्रा भी ज्यादा असर दिखा सकती है।

दुबले लोगों पर ज्यादा असर

हर व्यक्ति में शराब का नशा एक जैसा नहीं होता। इसका कारण वजन, आनुवंशिकता और पेट की स्थिति से जुड़ा है, जिनका वजन ज्यादा होता है, उनमें अल्कोहल खून में जल्दी नहीं घुलता, इसलिए नशा धीमा चढ़ता है। दुबले-पतले व्यक्ति में शराब का असर तेज और जल्दी दिखता है। खाली पेट पीने से शराब तेजी से आंतों के जरिए खून में मिल जाती है, जबकि भरा पेट इसकी गति को कम करता है। Alcohol Dehydrogenase (ADH) नामक लिवर एंजाइम अल्कोहल को तोड़ता है। किसी व्यक्ति में यह एंजाइम कम बनता है, तो नशा अधिक देर तक रहता है।

नशा नहीं, संकेत मात्र

यह जानना महत्वपूर्ण है कि ऊंचाई पर शराब का असर केवल शारीरिक नहीं, मानसिक भी होता है। यह हमारे शरीर की सीमाओं और वातावरण के दबाव का एक संयोजन है। इसीलिए डॉक्टर और एयरलाइंस अक्सर सुझाव देते हैं कि उड़ान या ऊंचाई वाले स्थानों पर शराब पीने से बचें या बहुत सीमित मात्रा में सेवन करें। अगर आप अगली बार फ्लाइट में या किसी हिल स्टेशन पर शराब पीने का सोच रहे हैं, तो यह ध्यान रखें, एक पैग वहां दो पैग के बराबर हो सकता है।

■ धर्मेंद्र सिंह कर्ण

जानें क्या कहता है... धार्मिक और वैज्ञानिक नजरिया

सनातन संस्कृति में तिलक लगाने की परंपरा और महत्व

तिलक का स्वास्थ्य से संबंध

तिलक मस्तक के आज्ञा चक्र (भृकुटि के बीच) पर लगाया जाता है। यह स्थान तंत्र विद्या में सबसे महत्वपूर्ण माना गया है, जहां एकाग्रता और मानसिक शांति निवास करती है। चंदन, भस्म या कुमकुम तिलक लगाने से मस्तिष्क शीतल रहता है। तनाव और गुस्से में कमी आती है। रक्तचाप नियंत्रित रहता है। तिलक लगाने से वहां की नसों को हल्का दाब मिलता है, जिससे ध्यान केंद्रित होता है। इस प्रकार तिलक केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मा, चेतना, संप्रदाय और संस्कार का सूक्ष्म संवाद है। यह हमारे शरीर, मन और आत्मा को संतुलन में रखता है। तिलक लगाने की परंपरा न केवल आध्यात्मिक अनुशासन है, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी सिद्ध होती है।

शैव तिलक

तीन क्षैतिज भस्म रेखाएं और बीच में त्रिपुंड के साथ रुद्राक्ष। भगवान शिव के भक्तों द्वारा लगाया जाता है।

प्रतीक: भस्म से मोक्ष और आत्मज्ञान का मार्ग।

शाक्त तिलक

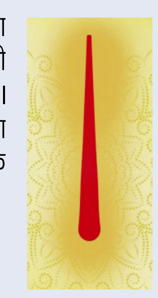

लाल चंदन या कुमकुम से बिंदी या लंबवत रेखा। इसे देवी दुर्गा या काली के उपासक लगाते हैं।

प्रतीक: शक्ति और ऊर्जा।

धार्मिक और पौराणिक महत्व

तिलक को 'देवत्व का चिन्ह' माना गया है। यह आत्मा और ब्रह्म के मिलन का प्रतीक है। विभिन्न तिलक धार्मिक संप्रदाय और गुरु परंपरा का परिचय कराते हैं। भगवद्गीता और पुराणों में भी तिलक का वर्णन है।

हिंदू संस्कृति में तिलक लगाना प्राचीन परंपरा है, जो केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि मानसिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह केवल एक चिह्न नहीं, व्यक्ति की आध्यात्मिक चेतना, संप्रदाय और साधना का भी प्रतीक है। तिलक का प्रयोग पूजा, यज्ञ, धार्मिक अनुष्ठान, विवाह, यात्रा आदि शुभ अवसरों पर किया जाता है।

तिलक के प्रमुख प्रकार

इस्कॉन तिलक की आकृति और निर्माण

इस्कॉन अनुयायी अपने माथे पर 'यू' आकार का तिलक लगाते हैं, जिसकी दो लंबवत रेखाएं नाक की सीध में नीचे आती हैं और बीच में एक पत्ती के आकार की आकृति होती है, जो सामान्यत: तुलसी पत्ता का प्रतीक होती है। यह तिलक गोपिचंदन (माटी जो द्वारका या अन्य पवित्र स्थानों से लाई जाती है) से बनाया जाता है।

प्रतीक: भगवान के चरणों का चिन्ह

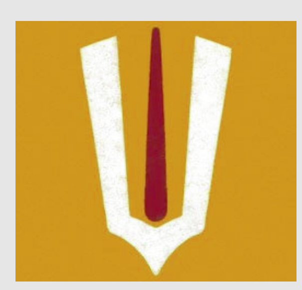

रामानंदी (वैष्णव)

रामनंदी तिलक को वैष्णव तिलक या ऊर्ध्वपुण्ड्र भी कहा जाता है। वैष्णव संप्रदाय में भगवान विष्णु के भक्तों द्वारा लगाया जाता है। यह तिलक आमतौर पर चंदन या मिट्टी से बनाया जाता है। तीन लंबवत रेखाएं, बीच में लाल या पीली रेखा होती है जो भगवान विष्णु की पत्नी लक्ष्मी का प्रतिनिधित्व करती है।

प्रतीक: विष्णु पदचिह्न का प्रतीक।

उद्धव तिलक (माधव संप्रदाय)

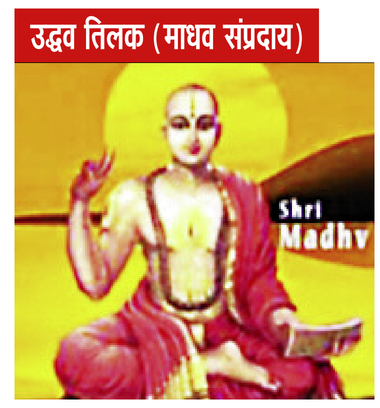

उद्धव तिलक, जिसे माधव संप्रदाय में उर्ध्वपुंड भी कहा जाता है, एक विशिष्ट प्रकार का तिलक है जो वैष्णव संप्रदाय के माधव संप्रदाय के अनुयायियों द्वारा लगाया जाता है। यह तिलक माथे पर गोपीचंदन से बनी दो खड़ी रेखाओं और धूप से बनी एक खड़ी काली रेखा से बना होता है। इसे श्रीकृष्ण या विष्णु के भक्त लगाते हैं।

प्रतीक: शुद्ध भक्ति।

स्वामी नारायण

स्वामीनारायण तिलक को वैष्णव तिलक के नाम से भी जाना जाता है। यह आकार में तिलक और बीच में लाल गोल बिंदी होती है। इस तिलक को स्वामीनारायण संप्रदाय के अनुयायी लगाते हैं।

प्रतीक: स्वामीनारायण के चरणों का प्रतीक है।

गणपत्य तिलक

यह तिलक सिंदूर या हल्दी से त्रिकोण में लगाया जाता और अंतर गोल बिंदी होती है। इसे गणेश उपासक लगाते हैं।

प्रतीक: बुद्धि और भक्ति

■ हरिनारायण मिश्रा

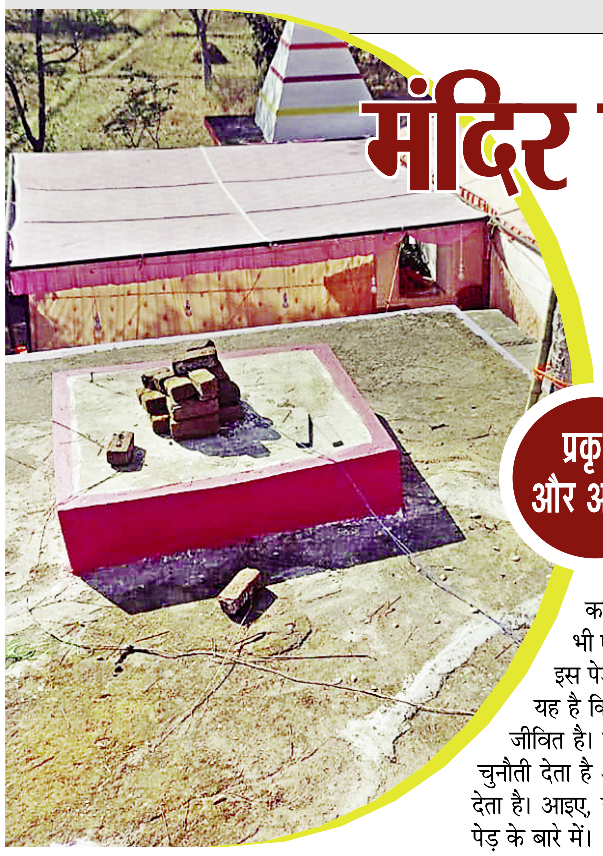

मंदिर की छत पर उगा रहस्यमयी पेड़

न जड़, न पहचान, फिर भी जीवित!

प्रकृति और आस्था

प्रकृति और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम हमेशा से मानव मन को आकर्षित करता रहा है। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के कटंगी क्षेत्र में स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर ऐसा ही एक रहस्यमयी स्थल है, जहां मंदिर की छत पर उगा एक पेड़ न केवल श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि वैज्ञानिकों के लिए भी एक अनसुलझी पहेली बना हुआ है। इस पेड़ की सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह है कि इसकी जड़ें नहीं हैं, फिर भी यह जीवित है। यह चमत्कार प्रकृति के नियमों को चुनौती देता है और हर किसी को विस्मय में डाल देता है। आइए, जानें इस रहस्यमयी और चमत्कारी पेड़ के बारे में।

रहस्यमयी इतिहास: रातों-रात प्रकट हुआ मंदिर

बालाघाट के कटंगी से 5 किमी दूर जाम गांव में स्थित यह प्राचीन शिव मंदिर लगभग 600 साल पुराना माना जाता है। स्थानीय लोग इसे चमत्कारी मानते हैं, क्योंकि उनका दावा है कि यह मंदिर और इसके साथ दो अन्य मंदिर रातों-रात प्रकट हुए थे। इस मंदिर की स्थापत्य कला और आध्यात्मिक आभा इसे खास बनाती है, लेकिन इसकी छत पर उगा रहस्यमयी पेड़ इसे और भी अनूठा बनाता है। यह पेड़ सदियों से मंदिर की शोभा बढ़ा रहा है।

विज्ञान और प्रकृति के लिए चुनौती

प्रकृति का नियम कहता है कि हर पेड़ को जीवित रहने के लिए जड़ों की जरूरत होती है, जो मिट्टी से जल और पोषक तत्व ग्रहण करती हैं। पर इस मंदिर की छत पर उगा यह पेड़ बिना जड़ों के हरा-भरा रहता है, जो विज्ञान को हैरत में डाल देता है। यह पेड़ प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया कैसे पूर्ण करता है, यह एक रहस्य है। स्थानीय लोग इसे भगवान शिव का चमत्कार मानते हैं।

दैवीय शक्ति का प्रतीक

स्थानीय लोगों का मानना है कि यह पेड़ दैवीय शक्ति की वजह से जीवित है। सावन माह शिवजी को समर्पित है, अत: इस महीने में श्रद्धालुओं भीड़ उमड़ती है।

मौसम के साथ नहीं रखता तालमेल

इस पेड़ का स्वरूप मौसम के विपरीत रहता है। सर्दियों में यह सूखने लगता है और गर्मियों में लगभग मुरझा जाता है। लेकिन जैसे ही बरसात की पहली बूंदें छत पर गिरती हैं, यह पेड़ फिर से हरा-भरा हो उठता है, मानो प्रकृति ने इसे नया जन्म दिया हो। ग्रामीणों ने इस पेड़ की कलमों को जमीन में उगाने की कोशिश की, लेकिन हर बार असफल रहे। वनस्पति शास्त्रियों ने इसकी प्रजाति और जड़ों का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन रहस्य अनसुलझा ही रहा।

दैवीय शक्ति का प्रतीक: तूफानों में अडिग रहस्य

स्थानीय लोगों का विश्वास है कि इस पेड़ में दैवीय शक्ति का बसती है। चाहे कितना भी भयंकर तूफान आए, यह पेड़ अडिग खड़ा रहता है। जहां गांव के अन्य पेड़ आंधी में उखड़ जाते हैं, इस पेड़ की एक पत्ती तक नहीं झड़ती। यह चमत्कार इसे और भी रहस्यमयी और पूजनीय बनाता है, मानो यह शिव की कृपा का जीवंत प्रमाण हो।

श्रद्धालुओं का तीर्थस्थल: सावन में उमड़ती आस्था

जाम गांव का यह प्राचीन शिव मंदिर और उसका चमत्कारी पेड़ दूर-दूर से श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। खासकर सावन के महीने और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां भक्तों का सैलाब उमड़ता है। बालाघाट के साथ-साथ महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी लोग इस चमत्कारी दृश्य के दर्शन करने आते हैं। यह स्थान न केवल आध्यात्मिक शांति देता है, बल्कि प्रकृति के इस अनूठे करिश्मे को देखने का अवसर भी देता है।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630